तापमान
अधिकतम 42.6 डिग्री
न्यूनतम 28.6 डिग्री

हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, मंगलवार 21 अप्रैल 2026

12 टैंकर के लिए टेंडर सिस्टम बना सिरदर्द, पानी ...

13 आत्मानंद स्कूल हुआ बदहाल न तो पर्याप्त ...

खबर संक्षेप

पावरहाउस में वाटर एटीएम कबड़ा में

भिलाई। भीषण गर्मी में पावरहाउस चौक पर नगर निगम का वाटर एटीएम कबाड़ में पड़ा हुआ है। यहां ओवरब्रिज के नीचे सायकल स्टैंड के पास दो साल पूर्व निगम कर्मियों ने मोटरपंप व फैन खराब होने के बाद इसे रिपेयर कराने के बजाए एटीएम को ही अन्य हटाकर रख दिया। इसके चलते भारी गर्मी में राहगीरों, वाहनचालकों व फुटपाथ विक्रेताओं को पीने के पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों ने यहां दो नए वाटरएटीम लगवाने की मांग की है। ताकि लोगों को राहत मिल सके।

ट्विनसिटी में सूरज का पारा 7वें आसमान पर

भिलाई। ट्विनसिटी में सूरज का पारा सातवें आसमान पर पहुंच रहा है। भीषण गर्मी के चलते लोगों का बुरा हाल है। आज पखवाड़े भर के दौरान सबसे गर्म दिन रहा। तापमान 42.6 सेल्सियस पहुंच जाने तक झुलसन की स्थिति रही। कई क्षेत्रों में सड़कों पर दोपहर को सन्नाटे का अलाम रहा और लंबी दूरी के भारी वाहन ही गुजरते रहे।

बिना लाइसेंस व्यवसाय और अव्यवस्था फैलाने वालों पर कार्रवाई

भिलाई। स्मृति नगर क्षेत्र में नगर निगम की टीम ने सख्ती दिखाते हुए विभिन्न प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की। निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय के निर्देशानुसार जोन-1, वार्ड-2 में विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई की कमी, सड़क बाधा उत्पन्न करने और लाइसेंस नहीं होने पर चालानी कार्रवाई की गई। अभियान के तहत तीन लोगों पर जुर्माना लगाया गया। विश्वनाथ डोसा सेंटर से 2000 रुपए, ओम यादव से 500 रुपए तथा सुमित बाग से 1000 रुपए का चालान वसूला गया। इस प्रकार कुल 3500 रुपए की राशि निगम द्वारा वसूली गई। नगर निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर में स्वच्छता बनाए रखने और नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। साथ ही व्यापारियों से अपील की गई है कि वे आवश्यक लाइसेंस प्राप्त कर नियमों का पालन करें, ताकि इस तरह की कार्रवाई से बचा जा सके।

समर स्पेशल ट्रेन दुर्ग शालीमार दुर्ग के मध्य 1-1 फेरे में चलेगी

ग्रीष्मकाल के दौरान ट्रेनों में भीड़ को देखते, यात्रियों को मिलेगी सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

अलग खबर

समर स्पेशल ट्रेन की शुरुआत 29 अप्रैल से शुरू होगा। जिसमें ट्रेन 08745 दुर्ग-शालीमार समर स्पेशल ट्रेन चलेगा। ट्रेन 08746 शालीमार-दुर्ग समर स्पेशल ट्रेन शालीमार से 30 अप्रैल वाणिज्य ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर चांपा, रायगढ़ स्टेशनों में दिया गया है।ट्रेन 08745 दुर्ग-शालीमार समर स्पेशल ट्रेन दुर्ग से 29 अप्रैल बुधवार को 21.45 बजे रवाना होगी। रायपुर आगमन 22.25 बजे, प्रस्थान 22.30 बजे, भाटापारा आगमन 23.20 बजे, प्रस्थान 23.22 बजे दूसरे दिन बिलासपुर आगमन 00.35 बजे, प्रस्थान 00.45 बजे, चांपा आगमन 01.35 बजे, प्रस्थान 01.37 बजे, रायगढ़ आगमन 02.32 बजे, प्रस्थान 02.34 बजे, झारसुगुड़ा आगमन 04.08 बजे, प्रस्थान 04.10 बजे, राउरकेला आगमन 05.40 बजे, प्रस्थान 05.50 बजे, चक्रधरपुर आगमन 07.38 बजे, प्रस्थान 07.40 बजे, टाटानगर आगमन 08.00 बजे, प्रस्थान 08.10 बजे, खड़गपुर आगमन 11.40 बजे, प्रस्थान 11.45 बजे, सांतरागाछी आगमन 13.13 बजे, प्रस्थान 13.15 बजे होते हुये 13.45 बजे शालीमार स्टेशन पहुंचेगी।

ऐसे पहुंचेगी ट्रेन दुर्ग

ट्रेन 08746 शालीमार-दुर्ग समर स्पेशल ट्रेन शालीमार से 30 अप्रैल गुरुवार को 17.45 बजे रवाना होगी। संतारागाछी आगमन 18.13 बजे, प्रस्थान 18.15 बजे, खड़गपुर आगमन 19.35 बजे, प्रस्थान 19.40 बजे, टाटानगर आगमन 21.55 बजे, प्रस्थान 22.00 बजे, चक्रधरपुर आगमन 22.53 बजे, प्रस्थान 22.55 बजे दूसरे दिन राउरकेला आगमन 00.20 बजे, प्रस्थान 00.30 बजे, झारसुगुड़ा आगमन 02.40 बजे, प्रस्थान 02.42 बजे, रायगढ़ आगमन 03.51 बजे, प्रस्थान 03.53 बजे, चांपा आगमन 05.15 बजे, प्रस्थान 05.17 बजे, बिलासपुर आगमन 07.25 बजे, प्रस्थान 07.35 बजे, भाटापारा आगमन 08.14 बजे, प्रस्थान 08.16 बजे, रायपुर आगमन 09.20 बजे, प्रस्थान 09.25 बजे होते हुये 11.15 बजे दुर्ग स्टेशन पहुचेगी। इन स्पेशल ट्रेनों में 2 एसएलआरडी, 4 जनरल, 10 स्लीपर, 2 एसी-थर्ड समेत कुल 18 कोच की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

परिवारिक विवाद बनी वजह, छावनी पुलिस कर रही जांच

पति शराब पीकर करता था विवाद, पत्नी ने सिलबट्टे से वार करके मौत के घाट उतारा

जमानत पर छूटकर अपने घर आए व्यक्ति की सिलबट्टा पटकर हत्या करने का मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने पत्नी को गिरफ्तार किया है। छावनी पुलिस ने बताया कि दुर्गा पारा, वार्ड 35 कैम्प 2 निवासी डोमन साहू बीती रात पत्नी हीरामणि साहू के साथ नशे की हालत में विवाद कर रहा था। आक्रोश में आकर पत्नी ने पति के सिर पर सिलबट्टे से हमला कर मौत के घाट उतार दिया। खबर लगने पर छावनी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पीएम के लिए अस्पताल भेज दिया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

पुलिस की पूछताछ में पता चला है कि डोमन साहू और उसकी पत्नी हीरामणि के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। दोनों के दो बच्चे हैं, एक बेटा और एक बेटी। डोमन श्रम विभाग में संविदा के पद पर वाहन चलाया करता था। स्थानीय लोगों के मुताबिक घर में अक्सर दोनों के बीच विवाद होता था। इनके विवाद के चलते आसपास के लोग भी परेशान थे।

रोज रोज के विवाद से हीरामणि काफी परेशान थी। घटना से कुछ घंटे पहले ही हीरामणि ने 19 अप्रैल को पति के खिलाफ छावनी पुलिस थाने में शराब पीकर लड़ाई झगड़ा व मारपीट करने की लिखित शिकायत की थी। इसके बाद पुलिस ने प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए उसे एसडीएम कोर्ट भेज दिया था। वहां से छूट कर आने के बाद डोमन शाम को घर पहुंचा और पुलिस में शिकायत करने की बात को लेकर पत्नी से विवाद करने लगा। इससे पहले की डोमन पत्नी पर जानलेवा हमला करता पत्नी ने पास रखे सिलबट्टे से उसके ऊपर वार कर दिया। इससे उसकी मौत हो गई।

प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करके भेजा था पुलिस ने जेल

वार्ड पार्षद भोला साहू ने बताया कि डोमन साहू और हीरामणि के बीच जो विवाद होता था वह पारिवारिक मामला था। साहू समाज से होने के नाते उन्होंने उनके मामले को समाज के अध्यक्ष सामने रखा और बैठक करवाकर मामले को सुलझाने का प्रयास किया था। जब पत्नी ने थाने में शिकायत की तो उन्होंने पारिवारिक मामला होने के चलते डोमन के खिलाफ धारा 151 यानि प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए उसे एसडीएम कोर्ट भेजा था। वकील से बात करके उसे छुड़वाया गया। छूटने के बाद डोमन को घर में विवाद नहीं करने की समझाईश भी दी थी। हो सकता है रात को नशे की हालत में विवाद किया होगा। घटना में पुलिस की गलती है। अगर उसे धारा लगाकर नहीं भेजा जाता तो शायद ऐसी घटना नहीं होती।

लगातार होता था दोनों में विवाद

डोमन और हीरामणि के बीच अक्सर विवाद होता था। घटना की रात विवाद इतना बढ़ गया कि आक्रोश में आकर हीरामणि ने पति पर सिलबट्टे से हमला कर दिया। उसके सिर पर गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। खबर लगते ही मोहल्ले में लोगों की भीड़ जुट गई। शव का पंचनामा कर शव को अस्पताल भेज दिया। पड़ोसियों के मुताबिक डोमन नशे का आदी था। नशे में अक्सर विवाद करने से उसकी पत्नी उससे काफी परेशान थी। पुलिस ने हीरामणि को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

दोनों में चल रहा था विवाद

पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। दोनों के बीच काफी समय से विवाद चल रहा था। पत्नी की शिकायत के बाद पति के खिलाफ कार्रवाई कर उसे जेल भेजा गया था। मृतक के खिलाफ मारपीट के कई मामले दर्ज हैं। हत्या के मामले को लेकर पुलिस जांच कर रही है।

-प्रशांत पैकरा,
सीएसपी छावनी

थार हुई अनियंत्रित एक युवक की मौत, दो घायल

नेहरू नगर चौक के पास की घटना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

तेज रफ्तार एक थार अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में एक युवक की मौके पर मौत हो गई। वहीं दो युवक घायल हैं। उनका उपचार अस्पताल में जारी है।

घटना नेहरू नगर चौक सुपेला के पास की है। सुपेला पुलिस ने बताया कि रविवार और सोमवार की दरमियानी रात एक थार अनियंत्रित होकर हादसे का शिकार हो गई। थार में सुपेला निवासी तीन दोस्त आकाश केशरवानी, ऋतिक साहू, करण सिंह सवार थे। वाहन की रफ्तार काफी तेज थी। हादसे में आकाश केशरवानी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं ऋतिक और करण घायल हैं। जिनका उपचार अस्पताल में जारी है। घटना की खबर लगते ही परिजनों मौके पर पहुंचे। सुपेला पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेज दिया। वहीं मृतक युवक के शव को पीएम के लिए भेजा गया।

पुलिस हादसे का कारण जानने के लिए आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। वाहन से कई संदिग्ध सामान भी मिले है। वाहन के आगे पीछे के नंबर तक उखाड़ लिए गए हैं। इसके अलावा वाहन के भीतर रजिस्ट्रेशन पेपर तक नहीं मिला है। उसमें सिर्फ एक खाली लिफाफा मिला है।

ट्रैफिक हुआ बेलगाम

नेशनल हाइवे पर लगातार सड़क हादसा हो रहा है। जिसे ट्रैफिक पुलिस कंट्रोल नहीं कर पा रही है। दो दिनों में दो युवको की मौत हो गई है। पहला कुम्हारी तो दूसरा सुपेला थाना क्षेत्र की घटना है। सड़क पर देर रात पुलिस की पेट्रोलिंग वाहन चलने का दावा भी झूठ साबित हो रहा है। लोगों का कहना है कि जितनी भी घटनाएं नेशनल हाइवे पर हो रही हैं वो अधिकतर रात में ही हो रही हैं। इसलिए रात में पेट्रोलिंग बढ़ाने की मांग की है।

पैरोल से फरार हुए आरोपी को पकड़ने और पता बताने पर मिलेगा 30 हजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

- जांजगीर-चांपा कोर्ट से बाहर आने के बाद नहीं हुआ उपस्थित

जेल से पैरोल में घर आए आरोपी एच.आई.जी. 2862/3862 म.प्र. हाउसिंह बोर्ड जामुल भिलाई निवासी जसपाल सिंह का पता और गिरफ्तार कराने वालों को पुलिस अब 30 हजार रुपए ईनाम देगी।

आरोपी के खिलाफ पद्मनाभपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 229 (बीएनएस) के तहत जुर्म दर्ज किया है। एएसपी मणीशंकर चंद्रा ने बताया कि आरोपी जसपाल सिंह को जिला जांजगीर-चांपा को पूर्व में न्यायालय द्वारा रिहा किया था। लेकिन रिहाई के बाद आरोपी न्यायालय में उपस्थित नहीं हुआ। लगातार फरार चल रहा है। जिसके कारण पद्मनाभपुर खोजबीन कर रही है। आरोपी का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए आरोपी की गिरफ्तारी पर आईजी दुर्ग रेंज ने 30 हजार रुपए नगद इनाम की घोषणा किया है। आरोपी न्यायालय में पेशी से बचने के लिए फरार चल रहा है।

लक्ष्मी बाजार में गंदगी से लोग परेशान

भिलाई। सुपेला चौक लक्ष्मीनगर कोहका मेन रोड पर मटन मार्केट के सामने से लोगों का गुजरना मुश्किल होजा जा रहा है। इस मार्केट के मटन, चिकन और मछली के अवशेष के बिखरे होने से फैली भारी गंदगी और बदबू के कारण परेशानी हो रही है। अत्यधिक दुर्गंध के चलते पैदल व वाहन चालक यहां से मुंह व नाक पर रुमाल रखकर आने जाना पड़ रहा है। सड़क किनारे फल ठेले वाले बदबू से परेशान है। व्यवसायियों ने बताया कि अपशिष्ट को लेकर नगर निगम के लोग अकर्मण्य बने हुए हैं। लोगों ने जल्द सफाई की मांग कर स्थान निदान की मांग की है।

ट्रैफिक पुलिस ने नशे में वाहन चलाने वाले 24 लोगों के खिलाफ की चालानी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

ट्रैफिक पुलिस ने अभियान चलाकर सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने, सड़क हादसों में कमी लाने अभियान चलाया गया। 19 अप्रैल की रात ट्रैफिक पुलिस शहर के विभिन्न स्थानों पर चेकिंग किया। इसमें प्रमुख मार्गों, राष्ट्रीय राजमार्ग, ब्लैक, ग्रे स्पॉट, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में चेकिंग पॉइंट स्थापित कर संदिग्ध वाहन चालकों की जांच की गई। ब्रेथ एनालाइजर मशीन के माध्यम से जांच कर 24 वाहन चालक जो

नशे में चला रहे थे। उनके खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई किया है। वाहन चालकों को न्यायालय प्रस्तुत किया गया। 14 दो पहिया, 7 चार पहिया, 3 भारी वाहन चालकों पर कार्रवाई किया गया। न्यायालय द्वारा प्रकरण की गंभीरता के आधार पर अर्थदंड भी अधिरोपित किया गया। कार्रवाई में ट्रैफिक पुलिस दुर्ग के अधिकारी कर्मचारियों की भूमिका अहम रही है। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि नशे में वाहन न चलाएं। यह न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि स्वयं अन्य नागरिकों के जीवन के लिए गंभीर खतरा भी है।

- चालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट में हुई कार्रवाई

जुनवानी रोड कोहका स्थित रानी अवंती बाई सरोवर को बचाने की कार्रवाई की मांग

जिले में अवैध प्लॉटिंग पर विधायक ने फिर जताई चिंता, सीएम को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

शहर में इस कदर अवैध प्लॉटिंग का खेल चल रहा है कि उसके लिए वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन को विधानसभा से लेकर सीएम तक को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग करनी पड़ रही है।

विधायक ने पिछली बार विधानसभा में दुर्ग भिलाई में अवैध प्लाटिंग पर सवाल उठाना पड़ा था। इस बार उन्होंने शहर के पॉश इलाके कोहका जुनवानी रोड स्थित रानी अवंती बाई सरोवर को बचाने के लिए मुख्यमंत्री से गुहार लगानी पड़ी है। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने इस सरोवर को संरक्षित करने और तालाब की जमीन को लेकर किए जा रहे दावों की उच्च स्तरीय प्रशासनिक जांच करने की मांग मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से की है। उन्होंने पत्र में यह भी बताया कि किस तरह से बिल्डर निजी जमीन को बेचने के लिए दांवपेच खेलते हैं।

उन्होंने बताया कि वो लोग ऐतिहासिक तालाबों और सरोवरों को पहले 'निजबारी' या निजी जमीन घोषित करा कर उनके अस्तित्व को मिटाने की कोशिश करते हैं। कोहका के इस सरोवर के साथ भी कुछ ऐसा ही खेल खेला जा रहा है। मामला न्यायालय तक पहुंचा, लेकिन अब जब बिल्डरों और भू-माफियाओं की सक्रियता फिर से बढ़ गई है।

विधायक ने कहा- ये उनकी विरासत बचाने की जंग

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने इस संवेदनशील मुद्दे पर सीधे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर प्रशासनिक हस्तक्षेप की मांग की है। उनका तर्क स्पष्ट है कि जल स्रोतों का संरक्षण केवल विकास नहीं, बल्कि भविष्य के लिए जीवन सुनिश्चित करना है। सेन ने कहा कि तालाब के आस-पास की जमीन का सीमांकन और राजस्व रिकॉर्ड की जांच अब अनिवार्य हो गया है। यदि समय रहते मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप से उच्च स्तरीय जांच नहीं हुई, तो भू-माफिया इस सरोवर को कंक्रीट के जंगल में तब्दील कर देंगे। यदि आज यह तालाब मिट गया तो आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी की बूंद-बूंद का संकट खड़ा हो जाएगा।

अन्य तालाबों और सरकारी जमीन पर भी कब्जा

भिलाई में इस तालाब के साथ साथ कई अन्य जगहों में स्थित तालाब और सरकारी जमीन पर कब्जा करके भू-माफिया प्लॉटिंग कर चुके हैं। कुरुद तालाब का भी कुछ ऐसा ही हाल हो रहा है। इस तालाब के चारों तरफ लोगों ने घर की बाउंड्रीवाल बढ़ाकर बना ली है। तालाब का पाट छोटा हो गया है। तालाब के पीछे एक बिल्डर ने प्लॉटिंग की और तालाब के मेड़ को अपनी जमीन बताकर मेड़ को जेसीबी से काटा और उसमें प्लॉटिंग करके बेच दिया। इतना ही नहीं केपीएस स्कूल के पीछे भी शासकीय नाले को पाटकर उसमें प्लॉटिंग की जा रही है। इंदू आईटी स्कूल के पीछे भी शासकीय जमीन में अवैध प्लॉटिंग करके उसे बेचा जा रहा है। इतना होने के बाद भी निगम और राजस्व विभाग के अधिकारी इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। कभी वो एसआईआर, कभी चुनाव तो कभी जनगणना ड्यूटी का बहाना बनाकर इस हो रहे अतिक्रमण और गैरकानूनी कार्य को रोकने के लिए कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं।

केनाल रोड निर्माण को 522.65 लाख की स्वीकृति, जल्द शुरू होगा निर्माण कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र अंतर्गत जीई रोड से स्टेशन रोड को जोड़ने वाले साइंस कॉलेज के पीछे स्थित केनाल रोड के चौड़ीकरण और निर्माण कार्य के लिए शासन द्वारा 16 अक्टूबर 2025 को 522.65 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृति उपरांत निर्माण कार्य की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

निर्माण कार्य के लिए नगर निगम द्वारा निविदा आमंत्रित की गई थी, जिसे निविदा समिति द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है। वर्तमान में कार्यादेश जारी करने की प्रक्रिया प्रगति पर है, जिससे कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जा सकेगा। नगर निगम एवं लोक निर्माण विभाग के समन्वय से कार्य प्रारंभ करने की तैयारी पूर्ण कर ली गई है। विद्युत शिफ्टिंग और वृक्ष कटाई कार्य पूर्ण, परियोजना अंतर्गत विद्युत पोल शिफ्टिंग एवं इलेक्ट्रिफिकेशन कार्य के लिए 25.89 लाख रुपए की राशि संबंधित विभाग को प्रदान की गई, जिसके तहत 33 केवी, 11 केवी एवं एलटी लाइन शिफ्टिंग का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इसके साथ ही वन विभाग को 6 लाख रुपये प्रदान कर वृक्ष कटाई का कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है।

निगम और पीडब्ल्यूडी के समन्वय से तेज होगी निर्माण प्रक्रिया

आधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित होगा केनाल रोड

परियोजना के अंतर्गत 380 मीटर लंबी एवं 15 मीटर चौड़ी बीटी सड़क का निर्माण किया जाएगा। साथ ही 0.30 मीटर चौड़ा डिवाइडर, 380 मीटर लंबी नई केनाल जिसमें 320 मीटर खुली एवं 60 मीटर कवर का निर्माण प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त 16 दो-तरफा स्ट्रीट लाइट पोल एवं कॉलोनी एवं स्कूल के लिए 280 मीटर लंबा एप्रोच रोड भी विकसित किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में आवागमन सुगम एवं सुरक्षित होगा।

पोल शिफ्टिंग और वृक्ष कटाई का कार्य पूर्ण

साइंस कॉलेज के पीछे स्थित केनाल रोड निर्माण के लिए नगर निगम को नोडल एजेंसी बनाया गया है। निगम द्वारा पोल शिफ्टिंग और वृक्ष कटाई का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। नहर शिफ्टिंग के लिए जल संसाधन विभाग से एनओसी की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। नगर निगम और पीडब्ल्यूडी के समन्वय से शीघ्र ही निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा।
-सुमित कुमार अग्रवाल, आयुक्त, ननि दुर्ग

दावा आपत्ति 5 मई तक

दुर्ग। मिशन वात्सल्य अंतर्गत जिला बाल संरक्षण इकाई एवं शासकीय बाल देख संस्था में रिक्त पदों की पदपूर्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया था। प्राप्त आवेदन पत्रों को जिला स्तरीय चयन समिति के द्वारा परीक्षण कर पात्र, अपात्र की प्रारंभिक सूची तैयार की गई है। आवेदकों द्वारा 5 मई तक कार्यालयीन समय तक आवेदक अपनी दावा आपत्ति स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। किसी अन्य माध्यम ई-मेल, कोरियर या कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत दावा आपत्ति मान्य नहीं होगी।

दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध
श्रीमति वैदेही शर्मा
माँ कामख्या उपासक
फीस 251/-

श्रीमती वैदेही शर्मा माँ कामाख्या की असीम कृपा साधना द्वारा समस्या हेतु जन्म कुंडली देखकर महा दशाओं के आधार पर आर्थिक, मानसिक, शारीरिक, पारिवारिक, नौकरी एवं व्यापार संबंधित काल सर्प दोष, मांगलिक दोष, पिचाश दोष, गृहण दोष, गृहकलेश, पति- पत्नि विवाद, विवाह में बाधा, सतान सुख में कमी, गुप्त शत्रु बाधा, आकर्षण उच्चाटन मारण, मास्तिक दमन, भक्तगण इन बाधाओं से पीड़ित व्यक्ति बागुला मुखी साधना द्वारा समाधान।
माँ कामख्या ज्योतिष कार्यालय मो. 9343907851
पता: धमधा रोड, मिलन पैलेस के बाजु में, दुर्ग
समय: सुबह: 10 बजे से दोपहर 02 बजे तक
शाम: 04 बजे से 07 बजे तक

पानी के लिए लोगों को रोजाना करना पड़ रहा है संघर्ष

टैंकर के लिए टेंडर सिस्टम बना सिरदर्द, पानी के लिए जूझ रहे वार्डवासी, वार्डों में बिगड़ी पानी सप्लाई की नई व्यवस्था

सुवांकर रॉय ▶▶ भिलाई

जेम पोर्टल से टैंकर टेंडर व्यवस्था लागू होने से लोगों को समय पर पानी नहीं मिलने से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी में पानी की किल्लत को देखते हुए अब वार्डों में मैन्युअली टैंकर उपलब्ध कराकर पानी देने की मांग तेज हो गई है।

शहर के कई वार्डों में पानी की समस्या अब नई व्यवस्था के चलते और जटिल होती नजर आ रही है। पहले जिन क्षेत्रों में जल संकट होता था, वहां मैन्युअली टैंकर मंगवाकर तत्काल पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाती थी। इससे जरूरतमंद इलाकों में समय पर राहत मिल जाती थी, लेकिन अब जेम पोर्टल के माध्यम से टैंकर आपूर्ति के लिए टेंडर प्रक्रिया लागू कर दी गई है। इस बदलाव के बाद प्रक्रिया लंबी और जटिल हो गई है, जिसका सीधा असर आम लोगों पर पड़ रहा है। समय पर टैंकर उपलब्ध नहीं हो पाने से प्रभावित वार्डों में पानी की किल्लत और बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले की तुलना में अब पानी मिलने में देरी हो रही है और कई बार टैंकर का इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में प्रशासन से मांग की जा रही है कि प्रक्रिया को सरल बनाया जाए, ताकि जरूरत के समय तत्काल पानी उपलब्ध कराया जा सके।

चिलचिलाती गर्मी व धूप के बीच लोगों को पानी के लिए करना पड़ रहा जद्दोजहद

मैन्युअल व्यवस्था की मांग तेज

सरकारी खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए लागू जेम पोर्टल के माध्यम से अब पानी टैंकरों के लिए टेंडर जारी किए जा रहे हैं। यह पोर्टल पूरे देश के लिए खुला है, जिससे किसी भी शहर का ठेकेदार टेंडर ले सकता है। यहीं से समस्या शुरू हो रही है। यदि भिलाई के लिए टेंडर किसी दूसरे शहर के ठेकेदार को मिल जाता है, तो उसके लिए समय पर पानी सप्लाई करना व्यावहारिक रूप से मुश्किल हो जाता है। दूरी और संसाधनों की कमी के कारण प्रभावित वार्डों में पानी पहुंचने में देरी हो रही है, जिससे लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए जूझना पड़ रहा है। पहले व्यवस्था सरल थी। अब प्रक्रिया लंबी होने से समय पर लोगों को राहत नहीं मिल पा रही है।

नेहरूनगर जोन में 18 वार्डों के लिए सिर्फ 4 टैंकर

नेहरू नगर जोन-1 में 18 वार्डों के लिए महज चार पानी के टैंकर उपलब्ध हैं, जो जरूरत के मुकाबले बेहद कम साबित हो रहे हैं। जोन-1 के अंतर्गत आने वाले जुनवानी, खम्हरिया, लक्ष्मीनगर सहित कई वार्डों में पानी की भारी किल्लत बनी हुई है। गर्मी बढ़ने के साथ मांग भी बढ़ी है, लेकिन टैंकरों की सीमित संख्या के कारण सभी इलाकों में समय पर पानी पहुंचाना संभव नहीं हो पा रहा है। इस कारण पीने के पानी के लिए परेशानी झेलनी पड़ रही है। महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा दिक्कत हो रही है, जिन्हें पानी के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। जनप्रतिनिधियों का भी मानना है कि 18 वार्डों के लिए चार टैंकर पर्याप्त नहीं हैं। संख्या बढ़ाने और वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग की है।

चिलचिलाती धूप में टैंकर के लिए घंटों इंतजार

वार्ड 10 की निवासी महेश्वरी साहू ने बताया कि उनके इलाके में कई दिनों से नलों में पानी नहीं आ रहा है, जिससे हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। पानी के लिए टैंकर पर निर्भर रहना पड़ रहा है, लेकिन टैंकर भी समय पर नहीं पहुंचते। चिलचिलाती धूप में घंटों इंतजार करना पड़ता है। कई बार तो टैंकर आने का समय तय नहीं होता, जिससे परेशानी और बढ़ जाती है। यह इलाका श्रमिक बस्ती होने के कारण समस्या और गंभीर हो जाती है। अधिकांश लोग सुबह काम पर निकल जाते हैं, ऐसे में यदि उसी दौरान टैंकर आ जाए तो उन्हें पानी नहीं मिल पाता। वहीं, कई लोग मजबूरी में काम छोड़कर दिनभर टैंकर का इंतजार करते हैं, ताकि घर के लिए पानी जुटा सकें। पानी के लिए रोजाना संघर्ष करना पड़ रहा है।

पानी सप्लाई में देरी से बढ़ी परेशानी

जेम पोर्टल के माध्यम से टैंकर टेंडर होने के कारण व्यवस्था प्रभावित हुई है और लोगों की परेशानी बढ़ गई है। टैंकरों की कमी पहले से ही बनी हुई है। ऐसे में टेंडर प्रक्रिया जेम पोर्टल के जरिए होने से समय पर टैंकर उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। इसका सीधा असर पानी सप्लाई पर पड़ रहा है, जिससे कई वार्डों में लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा। टेंडर प्रक्रिया को मैन्युअल करने की जरूरत है, ताकि स्थानीय स्तर पर तुरंत निर्णय लेकर पानी सप्लाई को सुचारू किया जा सके। लक्ष्मीनगर वार्ड में 33 जगहों पर पानी पहुंचाने की आवश्यकता है लेकिन टैंकरों की कमी के कारण सिर्फ 4 प्वाइंट पर ही पानी उपलब्ध हो पा रहा है।
-चन्द्रशेखर गवई, एमआईसी सदस्य, नगर निगम भिलाई

बिजनेस साइट

ओरियंटेशन में 2 हजार से अधिक स्टूडेंट्स पेरेन्ट्स हुए शामिल

भिलाई। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट रायपुर और भिलाई में एडमिशन को लेकर स्टूडेंट्स और पेरेन्ट्स में खासा उत्साह है। नए बैच के एडमिशन्स के साथ ही ओरियंटेशन भी शुरू हो गए हैं। एलन रायपुर और एलन भिलाई में ओरियंटेशन सेशन्स का आयोजन किया गया। 4 सेशन्स में 2 हजार से अधिक स्टूडेंट्स और पेरेन्ट्स शामिल हुए। एलन रायपुर के पंडित दीनदयाल हॉल में आयोजित तीन अलग-अलग सेशन में 1500 से अधिक स्टूडेंट्स व पेरेन्ट्स शामिल हुए। इस ओरियंटेशन में स्टूडेंट्स एवं पेरेन्ट्स को आगामी शैक्षणिक यात्रा के लिए वरिष्ठ पदाधिकारियों व एक्सपर्ट्स द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। इसी तरह एलन भिलाई में शैक्षणिक सत्र 2026-27 की शुरुआत के साथ ही एलन क्लासरूम स्टूडेंट्स का पहला ओरियंटेशन सेशन का आयोजन किया गया। महात्मा गांधी कला मंदिर हॉल में आयोजित इस सेशन में 500 से अधिक स्टूडेंट्स व पेरेन्ट्स शामिल हुए। जोनल हेड महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ आशुतोष हिसारिया, एलन रायपुर के सेंटर हेड कुणाल सिंह और एलन भिलाई के सेंटर हेड सौरभ गौतम ने अपने अनुभवों से सभी को प्रेरित किया। इस दौरान बताया गया कि एलन में बेहतर अध्ययन प्रणाली, नियमित टेस्ट, सतत प्रदर्शन विश्लेषण और समर्पित मेंटरशिप का लाभ मिलेगा।

बिजनेस साइट

थीमैटिक निवेश - जहां अवसर और रणनीति का संगम होता है

भिलाई। थीमैटिक निवेश रणनीति लंबी अवधि में स्ट्रक्चरल बदलावों को को समझने का एक अत्यंत प्रभावी तरीका साबित हुई है, चाहे वह डिजिटलाइजेशन, बढ़ते उपभोक्तावाद, ऊर्जा क्षेत्र में बदलाव या मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में आ रहे दोबारा से उभार से उत्पन्न हो। थीमैटिक निवेश का मूल आधार व्यापक इकोनॉमिक थीम्स में निवेश करने की क्षमता है, न कि व्यक्तिगत कंपनियों या इंडस्ट्रीज में।

हालांकि, कुछ चुनौतियां भी सामने हैं।

ध्यान रखने योग्य चुनौतियां - पहली चुनौती बाजार के वातावरण में निरंतर परिवर्तन है। ब्याज दरें, मुद्रास्फीति, नीतियां और तरलता जैसे कई व्यापक आर्थिक कारकों के आधार पर क्षेत्रीय नेतृत्व बदलता रहता है। ऐतिहासिक रुझान बताते हैं कि जो सेक्टर एक चरण में बेहतर प्रदर्शन करते हैं, वे अक्सर अगले चरण में खराब प्रदर्शन करते हैं, जिससे सही समय का चुनाव करना एक महत्वपूर्ण, लेकिन महारत हासिल करने का कठिन कौशल बन जाता है। समग्र पोर्टफोलियो जोखिम को सावधानीपूर्वक प्रबंधित करने और न केवल विभिन्न क्षेत्रों में, बल्कि विभिन्न बाजार पूंजीकरणों में अवसरों की पहचान करने की आवश्यकता से यह जटिलता और भी बढ़ जाती है।

एक अन्य चुनौती निवेशकों का व्यवहार है। बाजार साइकिल अक्सर भावनात्मक निर्णय लेने को बढ़ावा देते हैं क्योंकि निवेशक मजबूत तेजी के बाद थीम्स का पीछा करते हैं और मंदी के दौरान बाहर निकल जाते हैं। हालांकि, इस तरह की प्रक्रिया लॉन्गटर्म लाभों को कमजोर कर सकती है, भले ही थीम के पीछे का मूल विचार वैध हो।

इन सभी महत्वपूर्ण मुद्दों के अलावा, निवेश पोर्टफोलियो के निरंतर प्रबंधन और रीबैलेंसिंग को लेकर भी प्रश्न बने रहते हैं। इसके लिए व्यापक आर्थिक और मूल्य निर्धारण संकेतों का उपयोग करके सही समय को पहचानना आवश्यक है। इससे यह भी सवाल उठता है कि निवेश कब वापस लेना है या कम करना है, जिससे कर संबंधी विचार जैसी तार्किक चुनौतियाँ उत्पन्न होती हैं।

महेन्द्र गुप्ता
म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर, भिलाई

उपलब्ध समाधान - यहां, एक स्ट्रक्चर्ड दृष्टिकोण विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है। ऐसा दृष्टिकोण विकसित होते विषयों में विविधीकरण को रणनीतिक एसेट्स आवंटन के साथ जोड़ता है। इसमें बाजार साइकिल्स का सामना करने के लिए स्थिरता-केंद्रित एसेट्स (जैसे डेट) को एकीकृत करना और बाजार पूंजीकरण स्पेक्ट्रम में लचीले ढंग से अवसरों की तलाश करना शामिल हो सकता है - यह सब लॉन्गटर्म थीमैटिक रुझानों पर मुख्य ध्यान केंद्रित करते हुए किया जाता है।

इस तरह के स्ट्रक्चर्ड समाधान की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए, फंड ऑफ फंड्स दृष्टिकोण पर विचार किया जा सकता है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एग्रेसिव हाइब्रिड एक्टिव एफओएफ (पूर्व में थीमैटिक एडवांटेज एफओएफ) सेक्टोरल, थीमैटिक और मार्केट-कैप के अवसरों पर 65-80 फीसदी इक्विटी केंद्रित रखता है, जबकि स्थिरता के लिए 20-35 फीसदी डेट भी शामिल करता है। इसने वेल्थ क्रिएशन में लगातार लॉन्गटर्म सफलता का प्रदर्शन किया है। 31 मार्च, 2026 तक, फंड ने 3-वर्षीय सीएजीआर 15.11 फीसदी, 5-वर्षीय सीएजीआर 14.91 फीसदी और 10-वर्षीय सीएजीआर 14.47 फीसदी दर्ज किया है।

मिशन शक्ति अंतर्गत रिक्त पदों के लिए आमंत्रित की गई दावा आपत्ति

दुर्ग। मिशन शक्ति अंतर्गत महिला सशक्तिकरण केन्द्र हब में रिक्त पद आईटी असिस्टेंट की पद पूर्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया था। प्राप्त आवेदन पत्रों को जिला स्तरीय चयन समिति के द्वारा परीक्षण कर पात्र, अपात्र की प्रारंभिक सूची तैयार की गई है। सूची का अवलोकन जिले के वेबसाईट एवं कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के सूचना पटल पर किया जा सकता है।जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार आवेदकों द्वारा 4 मई तक कार्यालयीन समय तक आवेदक अपनी दावा आपत्ति स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है।

थायराइड ग्रंथि का सफल आपरेशन ओडिशा से हाइटेक अस्पातल में इलाज

भिलाई। थायराइड ग्रंथि ने एक युवती को मुसीबत में डाल दिया था। उसके लिए सांस लेने तक मुश्किल हो गया था। युवती को जब हाइटेक सुपर स्पेशालिटी हॉस्पिटल लाया गया तो उसकी हालत बेहद नाजुक थी। ईएनटी सर्जन डॉ. अपूर्व वर्मा ने बताया कि लेटते ही मरीज की सांस अटक जाती थी। एक तरफ भोजन मुश्किल था तो दूसरी तरफ सांस लेने की दिक्कत थी। जांच करने पर उसके गले में 10 गुना 10 सेमी आकार की बढ़ी हुई थायराइड ग्रंथि का पता चला। थायराइड पीछे गर्दन की तरफ बढ़ रही थी और श्वांस नली पर दबाव डाल रही थी। उसे जल्द से जल्द सर्जरी की आवश्यकता थी। डॉ. अपूर्व ने चार घंटे तक चले इस ऑपरेशन में सावधानी पूर्वक थायराइड को उसके उसके आसपास की संरचनाओं से अलग किया गया तथा टोटल थायराइडेक्टोमी करनी पड़ी। इसके बाद मरीज को गहन चिकित्सा निगरानी में आईसीयू भेज दिया गया। इसमें एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. नरेश देशमुख और ओटी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इंटिंसिविस्ट डॉ. नीलिमा बम्बोडे की निगरानी में मरीज ने तेजी से स्वास्थ्य लाभ किया और दूसरे ही दिन उसे वार्ड में शिफ्ट करना संभव हो गया।

व्यक्तित्व विकास में शिक्षकों की अहम भूमिका

भिलाई। उदय महाविद्यालय जामुल भिलाई में मूल्य शिक्षा पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्राचार्य और सभी शिक्षकों का तिलक व बेच लगाकर स्वागत किया गया। कार्यशाला में बीएड चतुर्थ सेमेस्टर के छात्राध्यापकों ने मूल्य शिक्षा पर अपनी प्रस्तुती दी। ताराचंद ग्रुप ने मूल्यों के विकास में शिक्षक की भूमिका के बारे में बताया, वर्षरानी और ग्रुप ने नैतिक मूल्यों का जीवन मे महत्व के बारें में विचार प्रस्तुत किए। तान्या व ग्रुप ने समाज के निर्माण में नैतिक मूल्य के बारे में जानकारी दी। बी एड चतुर्थ सेमेस्टर से दानेश्वरी ग्रुप ने व्यक्तित्व निर्माण मे नैतिक मूल्यों की भूमिका के बारे में प्रस्तुति दी। बीएड चतुर्थ सेमेस्टर ताराचंद, आंचल वर्मा, रंजीत और बीएड द्वितीय सेमेस्टर राजविंदर, एम आरती, चंचल वर्मा को पौधा भेंटकर सम्मानित किया गया। महाविद्यालय कि प्राचार्या डॉ. अलिपा साहू ने छात्राध्यापक को मूल्य शिक्षा पर व्यक्तवि विकास में शिक्षक के गुणो के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि आदर्श शिक्षक बनने के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित सकारात्मकता को अपनाएं। निदां इर्ष्या से दूर होकर व्यक्तित्व का विकास करने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए मार्ग दर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम में मंच सचांलन छात्राध्यापिका रूपशिखा, शमा कौशर ने और आभार व्यक्त बीएड चतुर्थ सेमेस्टर छात्राध्यापक ताराचंद साहू ने किया।

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
> वात रोग > घुटने के दर्द > पीठ व कमर दर्द > स्पॉन्डिलाइटिस > लिगामेंट के दर्द
> साइटिका > गोल्फ एल्बो > फ्रोजन शोल्डर > शरीर मे जकड़न
जोड़ों, नसों, मांसपेशियों के सभी प्रकार के दर्द का इलाज
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003

Piles Care Clinic
ISO 9001:2015 Certified Clinic
Unit of Dr Abhimanyu's Pain Relief Center
मलद्वार संबंधित सभी बीमारियों का ईलाज
बिना चीरफाड़ के बावासीर (पाइल्स), फिस्टुला (भगंदर) फिशर्स, पिलोनिडल साइनस का
लेज़र मशीन /क्षार सूत्र द्वारा आपरेशन की सुविधा
लेडिस डॉक्टर उपलब्ध

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

न्यायालय कलेक्टर एवं भाड़ा नियंत्रक, जिला दुर्ग
व्यक्तिगत उपस्थित समंस
प्रकरण क्रमांक 05/अ-90/वर्ष 2017-2018
श्री.पी.एस.चौहान आ. धर्मसिंह चौहान, निवासी - स्मृति भवन निकट शहीद चौक स्टेशन रोड़, दुर्ग (छ०ग०) .... आवेदक
विरूद्ध
अमृतदास बंजारे आ. जे.एल. बंजारे स्थायी निवासी ग्राम शेरगढ़, पोस्ट बीजातला, थाना-खैरागढ़, जिला-राजनांदगांव, वर्तमान निवासी- गणपति विहार, बोरसी, दुर्ग (छ.ग.)............ अनावेदक
आवेदक/भवन स्वामी द्वारा इस न्यायालय में आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 12 (2) छ०ग० भाड़ा नियंत्रण अधिनियम 2011 वास्ते किराया परिसर को रिक्त कराने हेतु इस न्यायालय में प्रकरण क्रमांक 05/अ-90 वर्ष 2017-2018 संस्थित की गई है। अनावेदक अमृतदास बंजारे आ.जे.एल.बंजारे वर्तनान निवासी-गणपति विहार, बोरसी, दुर्ग (छ.ग.) के पते पर सूचना जारी की गई थी, किन्तु अनावेदक / किरायेदार अनुपस्थित रहा। चूंकि अनावेदक / किरायेदार को समक्ष सुनवाई हेतु अवसर प्रदान किया जाना है।
अतएव इस समंस के जरिये अनावेदक/ किरायेदार को सूचना दिया जाता है कि आप इस मामले की आगामी पेशी दिनांक 29.04.2026 को कलेक्टर भाड़ा नियंत्रक अधिकारी के न्यायालय में समय 12.00 बजे व्यक्तिगत रूप से अनिवार्यतः उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। यदि आप निर्धारित सुनवाई तिथि में अनुपस्थित पाये गये तो मामले की सुनवाई आपकी अनुपस्थिति में की जाकर आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।
आज दिनांक 02.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।
भाड़ा नियंत्रक अधिकारी
दुर्ग (छ.ग.)

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि मेरा पक्षकार राजेन्द्र दास वैष्णव आ. स्व. पोलादास वैष्णव, उम्र 68 वर्ष, निवासी-द्वारा विवेक वैष्णव, शीतला मंदिर, करपात्री पार्क, कवर्धा, तह. व जिला-कवर्धा (छ.ग.) 491995 अपनी स्वामित्व वाली सम्पत्ति स्मृति गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, स्मृति नगर (पंजीयन क्रमांक/डी.आर. /डी.आर. जी./68, दिनांक 11/11/1980) स्मृति नगर भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.) में स्थित भूखण्ड क्रमांक-बी/593 ए, क्षेत्रफल 2400 वर्गफीट, खसरा नं. 286 पर आवासीय मकान का निर्माण कराने जा रहा है।
यदि किसी व्यक्ति को उक्त सम्पत्ति के संबंध में आपत्ति/दावा हो तो वह इस सूचना के प्रकाशन से 15 दिनों के भीतर लिखित रूप से प्रमाण सहित सूचित करें, अन्यथा बाद में कोई दावा मान्य नहीं होगा।
स्थानः दुर्ग
दिनांकः 20/04/2026
अनिल कुमार अग्रवाल (अधिवक्ता) वास्ते
राजेन्द्र दास वैष्णव,निवासी-द्वारा विवेक वैष्णव, शीतला मंदिर, करपात्री पार्क, कवर्धा, तह. व जिला-कवर्धा (छ.ग.) 491995

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग
-:: ईश्तहार ::-
इस न्यायालय का रा.प्र.क्र. 202604101000042 /ब-121 वर्ष 2025 26 आवेदिका / आवेदक - रोशनी कौशल ध.प. श्री सुमीत कुमार कौशल निवासी - रुआबांधा बस्ती रिसाली भिलाई द्वारा ग्राम कुरुद प.ह.न. 46 रा.नि.म. कोहका तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं 1047/190 रकबा 0.0074 हे भूमि आवेदक के नाम पर दर्ज है। का आवासीय प्रयोजनार्थ पुनर्निर्धारण आदेश पारित किया गया है, जो वर्तमान में कृषि भूमि दर्ज है। जिसे ऑनलाईन राजस्व अभिलेख में परिवर्तित भूमि दर्ज किये जाने हेतु आवेदनमय दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।
अतः जिस किसी भी व्यक्ति को कृषि भूमि से परिवर्तित भूमि दर्ज किये जाने में आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 30/4/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 7/4/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।
अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर, तहसील व जिला-दुर्ग
-:: ईश्तहार ::-
रा०प्र०क्र० 202604101000071 अ-27/वर्ष 2025-26
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मनमीत सिंह बेदी पिता स्व. प्रीतपाल सिंह बेदी निवासी - ढांचा भवन कुरूद भिलाई द्वारा द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम कुरूद प.ह.नं. 46 रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि ख.न. 1340, 1341, 1343 रकबा 0.150, 0.090, 0.100 हे. भूमि रमा बेदी ध.प. प्रीतपाल सिंह बेदी के नाम पर दर्ज है। उपर वर्णित भूमि को आवेदक अपने नाम पर खाता विभाजन किये जाने हेतु आवेदनमय दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 30.04. 2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।
निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 15.04.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।
अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय आयुक्त, दुर्ग संभाग, दुर्ग (छ.ग.)
//सूचना//
मामले का विषय-अपील प्रकरण
मामला का क्रमांक- 459/अ-6/वर्ष 2023-24
पक्षकार दयाशंकर परगनिहा विरूद्ध गिरीश कुमारी वगैरह
1. गिरीश कुमारी आ. स्व. शोभाराम परगनिहा द्वारा-प्रकाशचंद बघेल पता-डॉ. नीता शुक्ला नेत्र रोग विशेषज्ञ के क्लीनिक के सामने नेहरू नगर, भिलाई तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)
2. पुष्पा वर्मा आ. स्व. शोभाराम परगनिहा द्वारा-ईश्वरी प्रसाद वर्मा निवासी आजाद चौक के पास, ब्राम्हण पारा रायपुर तह. व जिला-रायपुर (छ.ग.)
3. भारती वर्मा आ. स्व. शोभाराम परगनिहा द्वारा-देवेन्द्र कुमार वर्मा निवासी-ओल्ड सीएमओ क्वाटर सेन्ट्रल जीमखाना के सामने इंदौर, रेसीडेन्सी इंदौर (म.प्र.)
4. गीतांजली वर्मा आ. स्व. शांतिकुमार परगनिहा
5. अंजना वर्मा आ. स्व. शांतिकुमार परगनिहा
6. कुमुदनी वर्मा आ. स्व. शांतिकुमार परगनिहा
7. शालिनी चन्द्रवंशी आ. स्व. शांतिकुमार परगनिहा
8. भूपेश कुमार आ. स्व. शांतिकुमार परगनिहा
9. विक्रम कुमार आ. स्व. शांतिकुमार परगनिहा
क्र. 4 से 9 निवासी तात्यापारा रायपुर तह. व जिला-रायपुर (छ.ग.)
एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि दयाशंकर परगनिहा आ. स्व. शोभाराम परगनिहा निवासी ग्राम मोहरेंगा तह. धमधा जिला-दुर्ग के द्वारा अधीनस्थ न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) धमधा, जिला-दुर्ग (छ.ग.) के अपील प्रकरण क्रमांक 202312100500011 अ-6 वर्ष 2023-24 में पारित आदेश दिनांक 25.07.2024 के विरूद्ध छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा-44(2) के तहत अपील प्रकरण प्रस्तुत किया गया है।
उपर्युक्त मामले की सुनवाई तिथि 28.05.2026 दिन-गुरुवार को दोपहर 11.30 बजे स्थान-न्यायालय आयुक्त, दुर्ग संभाग दुर्ग में होगी।
अतः सुनवाई तिथि में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। नियत सुनवाई तिथि में उपस्थित नहीं होने पर एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।
जारी दिनांक- 09.04.2026
मुहर
आयुक्त
दुर्ग संभाग, दुर्ग

आम सूचना
इस आम सूचना के माध्यम से आम जनता एवं गणेश चौहान आ. स्व. अदालत चौहान, निवासी-अदालत शॉ मिल के पास, नेहरू रोड, सुपेला, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.) को अवगत कराया जाता है कि मेरे पक्षकारगण क्रमशः नरेश चौहान, कैलाश चौहान व संजय चौहान का अपने भाई गणेश चौहान की उपस्थिति में दिनांक-08.08.2002 को दक्षिण गंगोत्री, डी ब्लॉक स्थित भूमि के साथ ही साथ गणेश चौहान के नाम पर ग्राम-खोपली स्थित कृषि भूमि व संजय चौहान के व्यक्तिगत नाम पर स्थित भूखण्ड, ए/6 सुपेला मार्केट स्थित भूखण्ड क्रमांक-3, 4 एवं सुपेला मार्केट ब्लाक 22, भूखण्ड क्र.-03 व 04 एवं अन्य सम्पत्ति को लेकर एक सहमति पत्र इस आधार पर हुई थी कि जब तक दक्षिण गंगोत्री डी ब्लाक स्थित भूमि का व्यवस्थापन नगर पालिक निगम भिलाई से विधिवत् हो जाने पर उपरोक्त उपर वर्णित समस्त सम्पति का जिसमें कमला मेडिकल सुपेला के पास स्थित भूमि भी है का बराबर-बराबर बंटवारा करा लेंगे। चूंकि गणेश चौहान पूर्व से संजय चौहान एवं कैलाश चौहान एवं नरेश चौहान के व्यक्तिगत नाम की सम्पत्ति को लेकर हमेशा विवादित करते रहा है जिसके कारण ही परिवार में सामंजस्य बनाने के लिये उक्त बंटवारा के संबंध में एक सहमति अन्य भूमि की संभावना के आधार पर हुई थी व अन्य भूमि दक्षिण गंगोत्री डी ब्लाक एवं कमला मेडिकल सुपेला के पास स्थित भूमियों से संबंधित है। इस प्रकार गणेश चौहान उक्त अन्य भूमि का पहचान विवादित सहमति पत्र में स्पष्ट नहीं होने का अवैधानिक लाभ उठाते हुये अन्य भूमि जो कि दक्षिण गंगोत्री डी ब्लाक एवं कमला मेडिकल सुपेला के पास स्थित भूमियों से संबंधित है जानने के बावजूद कपटपूर्वक एक व्यवहार वाद क्रमांक-18 अ/2021 न्यायालय श्रीमान् अष्ठम् अतिरिक्त जिला न्यायाधीश दुर्ग के समक्ष दावा लाकर मेरे तीनो पक्षकार के हित के विपरीत अभिवचन कर दिया है। इस प्रकार गणेश चौहान के द्वारा उक्त सहमति पत्र का अपने हिसाब से आशय निकालकर सहमति पत्र को विवादित कर सहमति पत्र का दिनांक-08.08.2002 के इबारत का पृथक-पृथक वाद में पृथक-पृथक आशय निकालते हुये सहमति पत्र को विवादित कर दिया है। ऐसी स्थिति में मेरे पक्षकारगण उक्त सहमति पत्र के आधार पर दिये गये अपने वचन को वापस लेते है अर्थात् सहमति पत्र को निरस्त करते है। इस प्रकार आम जनता को इस आम सूचना के माध्यम से अवगत कराया जाता है कि उपरोक्त विवादित सहमति पत्र जिसे मेरे पक्षकारगणों ने अमान्य कर दिया है के आधार पर किसी भी प्रकार का संव्यवहार इस सूचना प्रकाशन के पश्चात् गणेश चौहान से ना करें। यदि इस सूचना के प्रकाशन के पश्चात् भी उक्त विवादित सहमति पत्र के आधार पर मेरे पक्षकारगणो के व्यक्तिगत नाम पर स्थित भूमि, मकान व दुकान के संबंध में कोई संव्यवहार गणेश चौहान से किया जावेगा तो मेरे पक्षकारगण को अमान्य व शून्य माना जावेगा।
तदानुसार इस आम सूचना से अवगत होवे।
स्थान-दुर्ग (छ.ग.)
दिनांक-
भवदीय
आशीष कुमार तिवारी (अधिवक्ता)
कार्यालय पता- प्रथम मंजिल पुरानी बिल्डिंग, जिला न्यायालय दुर्ग (छ.ग.)
मो.- 99773-12946

जंजगिरी में पंचमुखी हनुमान मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा, भवन का लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ⏭कुम्हारी

ग्राम को मिली भवनों की सौगात, अखाड़ा खिलाड़ियों ने अपनी कला किया प्रदर्शन

शनिवार को कुम्हारी नगर पालिका परिषद के ग्राम जंजगिरी वार्ड-23 अखाड़ा मैदान में पंचमुखी हनुमान मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा एवं 45 लाख रुपए के लागत के विभिन्न भवनों का लोकार्पण कार्यक्रम हुआ। इस कार्यक्रम में बजरंग अखाड़ा समिति कंडरका एवं बेरला के अखाड़ा खिलाड़ियों द्वारा अपनी कला का प्रदर्शन किया गया। पुष्पांजलि महिला मानस परिवार खैरागढ़ की बहनों द्वारा मानसगान की प्रस्तुति दी गई।

मुख्य अतिथि सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि ग्राम को मिली भवनों के सौगात की बधाई दी। साथ ही भविष्य में भी इसी तरह विकास के कार्य किए जाने की बात कही। वहीं पार्षद लोकेश साहू ने बाउंड्रीवाल की मांग भी बात कही गई। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रजनी बघेल, जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, भाजपा महिला मोर्चा दुर्ग जिला अध्यक्ष तृप्ति चंद्राकर, कुम्हारी नगर पालिका अध्यक्ष मीना वर्मा, मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र सिन्हा , कुम्हारी नगर पालिका परिषद के वरिष्ठ पार्षद लोकेश साहू , अश्वनी देशलहरा , हरिदास वैष्णव , ममता साहू , रितिका यादव , उमेश्वरी साहू , हेमलता निषाद , ओंकार मार्कण्डेय , मिथलेश यादव , सांसद प्रतिनिधि राजू निषाद , पुनेश साहू ,उमेश साहू , फिंगेश्वर साहू , राजकुमार सिंह, रागिनी निषाद , जूली सिंग , राजू साहू , सुनीता कुर्रे , जूही चंद्राकर , शुभम पाण्डेय , जयलक्ष्मी , स्वर्ण साहू , टीकाराम साहू ,रामकुमार साहू एवं पूना यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी, नव प्रभात बजरंग अखाड़ा समिति के पदाधिकारी आदि मौजूद थे।

चुना पत्थर खनन सर्वे के विरोध में सैकड़ों ग्रामीणों ने किया कलेक्टर का घेराव

हरिभूमि न्यूज ⏭धमधा

ग्राम दानीकोकड़ी में प्रस्तावित चुना पत्थर खनन सर्वे को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश अब उग्र रूप ले चुका है। सोमवार को सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने दुर्ग कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया और कलेक्टर का घेराव किया। ग्रामीणों का आरोप है कि बिना ग्राम सभा की सहमति के निजी कंपनी द्वारा खनन सर्वे कराया जा रहा है, जिससे पूरे गांव के उजड़ने का खतरा पैदा हो गया है। प्रदर्शन के दौरान महिलाएं, बुजुर्ग और युवा बड़ी संख्या में शामिल रहे। सभी ने एक स्वर में सर्वे कार्य को तत्काल रोकने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे पीढ़ियों से जिस जमीन पर रह रहे हैं, अब उसी से बेदखल होने की नौबत आ गई है। उनका कहना है कि यदि खनन कार्य शुरू होता है, तो न केवल उनकी खेती प्रभावित होगी बल्कि जल स्रोत और पर्यावरण पर भी गंभीर असर पड़ेगा। ग्रामीणों ने प्रशासन पर उनकी शिकायतों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि कई बार आवेदन और शिकायत देने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे लोगों में

- फिलहाल प्रशासन की ओर से इस पूरे मामले में कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई

असंतोष बढ़ता जा रहा है। कलेक्टर कार्यालय के बाहर लंबे समय तक चले प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे और जरूरत पड़ने पर न्यायालय का रुख भी करेंगे। फिलहाल प्रशासन की ओर से इस पूरे मामले में कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण बनी हुई है।

खबर संक्षेप

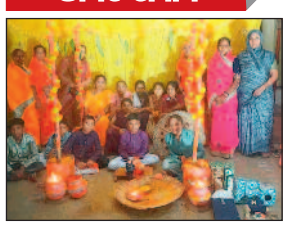

पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ मनाया गया पर्व

अंडा। ग्राम अंडा में अक्षय तृतीया पर्व हर्षोल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल रहा। सुबह से ही ग्रामीणों ने अपने-अपने घरों में पूजा-अर्चना कर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की आराधना करते हुए और सुख-समृद्धि की कामना की।
अक्ती के दिन गांव में विशेष रूप से खेती-किसानी से जुड़े कार्यों की शुरुआत शुभ मानी जाती है। किसानों ने अपने कृषि उपकरणों की पूजा कर नए कार्यों का शुभारंभ किया। कई स्थानों पर बच्चों और युवाओं ने पारंपरिक खेलों का आनंद लिया, वहीं महिलाओं ने गीत-भजन गाकर त्योहार की खुशियां बांटी। कई घरों में विशेष व्यंजन बनाए गए और आपस में बांटे गए। ग्रामीणों का मानना है कि अक्ती का पर्व शुभ कार्यों की शुरुआत के लिए सबसे उत्तम माना जाता है, इसलिए इस दिन बिना मुहूर्त के भी विवाह, गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्य किए जाते हैं।

सचिवों और कोटवारों की बैठक 22 को

पाटन। स्वामी आत्मानंद ऑडिटोरियम तहसील पाटन में 22 अप्रैल बुधवार को दोपहर 12 बजे तहसील पाटन अंतर्गत कार्यरत समस्त सचिवों और कोटवारों की बैठक आयोजित है। इसमें जनगणना-2027 संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश दिए जाएंगे। यह बैठक तहसीलदार और जनगणना चार्ज अधिकारी पाटन के निर्देश पर रखी गई है।

मूलभूत सुविधाओं के अभाव आदर्श स्कूल में

आत्मानंद स्कूल हुआ बदहाल न तो पर्याप्त कमरे हैं न शिक्षक

दिलीप साहू ⏭निकुम

छत्तीसगढ़ के शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के गृह जिला दुर्ग मुख्यालय से महज 25किमी दूर स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी व उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम स्कूल इन दिनों मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहा है। यहां मूलभूत सुविधाओं के अभाव के चलते छात्र- छात्राओं के साथ शिक्षक- शिक्षिकाओं को भी काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

ऐसे तो यह शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है, लेकिन स्कूल में जो सुविधाएं बच्चों को मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पा रही हैं। गौर हो स्कूल के प्राचार्य सहित शाला विकास समिति व पालक समिति निकुम ने क्षेत्रीय विधायक दुर्ग ग्रामीण ललित चंद्राकर सहित शिक्षा विभाग के अधिकारियों को पत्र देकर कई बार अवगत करा पत्र लिखकर मूलभूत सुविधाओं की मांग की है। लेकिन अब तक उनकी मांग पूरी नहीं हुई है।

गौरतलब है कि निकुम स्कूल की नींव सन 1902 प्राइमरी स्कूल के तौर पर पड़ी और 1962 से यह हाई स्कूल है। भूपेश बघेल सरकार में सन 2023 में तत्कालीन गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू के प्रयास से अंग्रेजी माध्यम स्कूल शुरू हुई। जिसमें निकुम सहित अंचल के तकरीबन 20 गांव से कक्षा पहली से 12वीं इंग्लिश मीडियम में तकरीबन 423 व हिंदी उत्कृष्ट में 400 बच्चे पढ़ते है,लेकिन प्रशासनिक उदासीनता के कारण शिक्षकों की कमी सहित समस्याओं का अंबार है। स्कूल में धीरे-धीरे समस्याएं बढ़ती जा रही है। लेकिन बच्चों के अनुपात में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। यहां चौकीदार और चपरासी की समस्या, किचन शेड की समस्या, पानी की समस्या, प्रसाधन कक्ष की समस्या, बाउंड्री वॉल की समस्या, पार्किंग की समस्या समेत अन्य कई समस्याओं का अंबार है।

प्राचार्य, शिक्षक- शिक्षिकाओं को करना पड़ रहा है चपरासी का काम

मिली जानकारी के अनुसार यहां हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यम में चतुर्थ श्रेणी वर्ग के कर्मचारी चपरासी व चौकीदार पद हैं और खाली हैं। जिसकी वजह से साफ सफाई सहित कई समस्याओं से रोज दो चार होना पड़ता है।

कई पाठशाला बंद कर भाजपा सरकार ने खोल दी मधुशाला

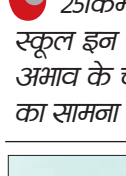

पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि भाजपा सरकार सत्ता में आने के बाद आपा खोई गई है। शिक्षा व्यवस्था को प्रयोगशाला बना कर रख दिया है। पूर्व में युक्तिकरण के नाम प्रदेश तकरीबन चार हजार स्कूलों को बंद कर दिया गया। गौर हो कि मेरे विधान सभा में निकुम आत्मानंद स्कूल बिल्डिंग के लिए एक करोड़ पच्चीस लाख की राशि का भूमिपूजन किया, राशि निरस्त कर दिया लेकिन आज नए स्कूल बिल्डिंग नहीं बना है, शिक्षकों की कमी है, जबकि खुद शिक्षा मंत्री के जिले का स्कूल है। स्कूली बच्चों का परेशानी होती है। सिर्फ मातृशक्ति के नाम पर महतारी वंदना में वाहवाही बटोर रही है। वहीं गौठान में शराब भट्ठी खोल रही है। यही भाजपा सरकार का विकास जनता देख रही है।

> **करेंगे समस्या का समाधान**
>
> 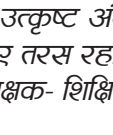
>
> समस्या का समाधान जरूर करेंगे, विधानसभा क्षेत्र के सभी स्कूलों में लगातार विकास कार्य हो रहे है।
>
> -ललित चंद्राकर
> दुर्ग ग्रामीण विधायक

> **जानकारी लेता हूं**
>
>
>
> इस मामले की जानकारी लेता हूं, बच्चों को बेहतर शिक्षा मिले, बहुत जल्द शिक्षक स्कूल को मिल जाएंगे।
>
> -अरविंद मिश्रा
> जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग

कमरों की कमी, दो पाली में लगती है स्कूल

तकरीबन 8 बच्चे होने के कारण इंग्लिश और हिंदी मीडियम को दो पारियों में लगाना पड़ता है विद्यार्थियों के अनुसार कमरा नहीं है। अध्ययन कक्षा के साथ वाचनालय प्रयोगशाला संस्कृत सभागार क्रीडा आदि कक्ष भी नितांत आवश्यक है। बच्चो के अनुपात शौचालय सहित बाउंड्री वॉल नहीं होने से देर शाम होते ही शराबी स्कूल मैदान में रात के अंधेरे में शराब सेवन करने रोज बच्चे परेशान होते है। वही मिड डे मिल किचन जो तकरीबन तीन लाख रुपए से बना है, उसमें ताला लगा है। छोटे से कमरे में भोजन बनता है। वही स्कूल के अधूरे बाउंड्री वॉल के कारण आवारा पशु व कुत्ते भोजन के समय बच्चो के आसपास आ जाते है। जिसके कारण कभी भी अनहोनी का खतरा बना रहता है। 5 वर्ष से कला संकाय के राजनीति शास्त्र और भूगोल विषय का पद रिक्त है। हायर सेकेंडरी में कला संकाय के विद्यार्थियों के साथ हाई स्कूल के सामाजिक विज्ञान विषय की पढ़ाई हो रही है। भविष्य में कला संकाय का संचालन नहीं होते विद्यार्थियों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा, वही क्लर्क भी नहीं जिनके कारण शिक्षकों को ही कक्षा छोड़ कर कंप्यूटर में काम करना पड़ता है।

> **जनप्रतिनिधियों को समस्या से कराया अवगत**
>
> 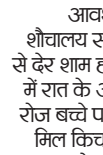
>
> स्कूल में समस्याओं का अंबार है वहीं क्षेत्र के विधायक ललित चंद्राकर व सांसद विजय बघेल को ज्ञापन देकर समस्याओं से अवगत करा चुका हूं। लेकिन अभी तक समस्या जैसे बनी है।
>
> -भागवत पटेल, सरपंच

सेलूद सेक्टर में बूथ व ग्राम इकाई के संगठन विस्तार संबंधित बैठक

सेलूद। प्रदेश कांग्रेस कमेटी व जिला कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर पाटन विधानसभा के प्रत्येक ग्रामों व बूथों में संगठन विस्तार संबंधित बैठकों का दौर जारी है। कांग्रेस कार्यकर्ता बूथ लेवल में बैठक कर कार्यकर्ताओं को विशेष जवाबदारी देकर संगठन सृजन का कार्य कर रहे है। इसी परिप्रेक्ष्य में सोमवार को सेलूद सेक्टर अंतर्गत ग्राम सेलूद, चुनकट्टा व मुड़पार में प्रत्येक ग्रामों में बैठक रखा गया जहां पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सुपुत्र चैतन्य बघेल पहुंचकर कार्यकर्ताओं को संगठन सम्बन्धित विस्तृत जानकारी दिए। साथ ही प्रत्येक कार्यकर्ताओं से प्रत्यक्ष रूप रूबरू हुए। इस अवसर पर प्रमुख पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सुपुत्र चैतन्य बघेल, पूर्व ओएसडी आशीष वर्मा, पूर्व जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष जवाहर वर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष मोहन साहू,मंडल अध्यक्ष खिलेश मारकंडे, जिला कांग्रेस कमेटी महामंत्री जय वर्मा जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र चंद्रवंशी संजय यादव राकेश साहू मन्नू यदु लोचन यादव महेश साहू सुरेंद्र बंछोर देवेश ख़ेवार दिलीप बंछोर राजेंद्र वर्मा करण धनकर किशन भारती अरुण कमल कोमल पटेल शत्रुघ्न यादव आदि उपस्थित थे।

पुतरा-पुतरी विवाह में शामिल हुए विधायक प्रतिनिधि

अक्ती तिहार में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने पुतरा पुतरी विवाह कर निभाई पारंपरिक रस्में

हरिभूमि न्यूज ⏭पाटन

छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-संस्कृति एवं परंपराओं को जीवंत रखते हुए सोमवार को चांदनी चौक, भनसुली में 'अक्ती तिहार' के अवसर पर पारंपरिक 'पुतरा-पुतरी विवाह' का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में गांव के छोटे-छोटे बच्चों द्वारा पूरे रीति-रिवाज से पुतरा-पुतरी का विवाह संपन्न कराया गया।

इस लोक-पर्व के 'टिकावन' की रस्म के अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं वर्तमान विधायक प्रतिनिधि अशोक साहू मुख्य रूप से सम्मिलित हुए। उन्होंने नव-दंपति स्वरूप पुतरा-पुतरी को तिलक लगाकर आशीर्वाद प्रदान किया एवं बच्चों के साथ इस परंपरा का निर्वहन करने वाले परिजनों की सराहना की। साहू ने कहा कि अक्ती तिहार केवल एक त्यौहार नहीं, छत्तीसगढ़ की माटी की सुगंध और हमारी पहचान है। पुतरा-पुतरी विवाह जैसी परंपराएँ बच्चों में संस्कार, सामाजिकता और अपनी जड़ों से जुड़ाव पैदा करती हैं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से दानी राम तारक,डॉ के.के.साहू,टुकेश निर्मलकर,किशोर साहू,वीणा तारक,कुमकुम तारक,प्रतिज्ञा सेन,भूमि सेन, जानू तारक, मोतिम तारक, सालू निर्मलकर दामिनी निर्मल, आरती, चिंकी साहू,पूजा साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सामूहिक बनाते है खिचड़ी, शीतला माता से मांगते है सुख-समृद्धि का आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज ⏭अंडा

अक्षय तृतीया के अवसर पर ग्राम डौकीडीह में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पारंपरिक उत्साह और श्रद्धा के साथ आयोजन किया गया। गांव के शीतला मंदिर के सामने ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से खिचड़ी बनाकर प्रसाद ग्रहण किया।

सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी। महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं ने मिलकर पूजा-अर्चना की और शीतला माता से सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद सभी ने मिलजुलकर खिचड़ी तैयार की, जिसे प्रसाद के रूप में वितरित किया गया। ग्रामीणों का मानना है कि अक्षय तृतीया के दिन इस प्रकार सामूहिक रूप से खिचड़ी बनाकर खाने से गांव में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है, जिसे नई पीढ़ी भी पूरे उत्साह के साथ निभा रही है। इस आयोजन में गांव के सभी वर्गों के लोग शामिल हुए, जिससे आपसी भाईचारा और एकता का संदेश भी देखने को मिला।

सामुदायिक भवन, स्कूलों व मंदिरों को भेंट किए कुर्सी और कूलर-पंखा

हरिभूमि न्यूज ⏭जामुल

गर्मी के मौसम में लोगों की समस्याओं को देखते हुए जामुल पालिका की पार्षद व नेता प्रतिपक्ष रामप्यारी वर्मा ने पार्षद निधि से मंदिर भवन, स्कूलों, आंगनबाड़ी में कूलर पंखा, बैठने के लिए कुर्सी, गार्डन चेयर आदि भेंट किए, जिससे लोगों में काफ़ी उत्साह देखा गया।

वर्मा ने अपने निधि से शासकीय नवीन पूर्व माध्यमिक शाला देवनगर जामुल में कूलर, भक्त माता कर्मा स्कूल वार्ड- 18 में कूलर, ओमकार मंदिर में कूलर एवं गार्डन चेयर, श्री शिवशंकर सेवा मंच शिवपुरी जामुल में कूलर, आंगनबाड़ी सुभाष नगर में कुर्सी एवं कूलर प्रदान किया गया। जामुल नगर के स्कूलों समुदायिक भवनों एवं आंगनबाड़ी की स्थितियों को देखते हुए एवं बच्चों, महिलाओं नगरवासियों एवं जनमानस की परेशनियों को भांपकर अपने निधि से एक सफल कोशिश की। जिससे गर्मी से लोगों को राहत देने, उठने बैठने की व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए, कूलर-पंखा, कुर्सी, गार्डन चेयर लगाने की घोषणा की थी, जिसे समय पर पूरा किया ।

नारी शक्ति वंदन सम्मेलन गरिमामयी वातावरण में आयोजित

महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭सेलूद

नारी सशक्तिकरण एवं महिला सम्मान को समर्पित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का आयोजन अत्यंत गरिमामयी एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में कलामंदिर भिलाई मे संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मातृशक्ति की सहभागिता रही, जिससे आयोजन ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायक बन गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की विशेष अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य शिल्पी केश कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष मोना सेन ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। सम्मेलन में जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष कीर्ति नायक, दुर्ग महापौर अलका बाघमार, जिला पंचायत दुर्ग अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, नगर पालिका कुमारी अध्यक्ष मीना वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहीं।कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा भिलाई जिला अध्यक्ष स्वीटी कौशिक, भाजपा दुर्ग जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष तृप्ति चंद्राकर, भाजपा भिलाई जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, भाजपा दुर्ग जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक सहित समस्त भाजपा पदाधिकारीगण, जनप्रतिनिधिगण एवं कार्यकर्तागण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने नारी शक्ति के महत्व, उनके सम्मान एवं समाज एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। साथ ही महिलाओं को आत्मनिर्भर, सशक्त एवं जागरूक बनाने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी साझा की गई। सम्मेलन में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों एवं अतिथियों ने महिला सशक्तिकरण को और अधिक मजबूती देने का संकल्प लिया तथा समाज में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया। नगर पालिका कुमारी अध्यक्ष मीना वर्मा की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

अक्षय तृतीया के दिन किसान अपने खेती-किसानी का काम करते हैं शुरू

सेलूद। अक्षय तृतीया की तिथि अबूझ मुहूर्त की तिथियों में से एक है। अक्षय तृतीया इस बार 20 अप्रैल सोमवार को मनाया गया । इस दिन किया गया कोई भी शुभ कार्य जरूर सफल होता है। साथ ही इस दिन गांव क्षेत्रों के नन्हे बच्चों के द्वारा मिट्टी से बनी मनमोहक 'पुतरी-पुतरा" (गुड्डा-गुड्डी) का विवाह रचाया गया है। बच्चों के साथ बड़े भी इस दिन अपनी पारंपरिक ढंगों से हिन्दू-रीतिरिवाज की तरह गाजे-बाजे के साथ गुड्डा का बारात निकालते है और एक प्यारी सी छोटी सी जिसमें आम के पत्तों और छोटी लकड़ियों से बना हुआ पंडाल के अंदर गुड्डा-गुड्डी को रखकर सामने कलश रखकर, दीप जलाकर अक्षत-हल्दी से गुड्डा-गुड्डी की टीका करते है। इस दिन बच्चें अपने पड़ोसी साथियों को अपने गुड्डा-गुड्डी की शादी करने का निमंत्रण भी देते है। आज उसी के तहत ग्राम पंचायत सेलूद के युवा सरपंच खिलेश बबालू मारकंडे, उपसरपंच राकेश साहू, पंच धनंजय साहू ने बच्चों के अक्षय तृतीया के पुतरा पुतरी विवाह में शामिल होकर बच्चों को प्रोत्साहन स्वरुप उपहार प्रदान किया । इस शादी के कार्यक्रम में अमित कुमार साहू, राज वीर साहू, संदीप साहू खिलेंद्र साहू चेतन साहू भूमिका साहू योगिता साहू डोमेश साहू छोटी भूमि साहू बच्चों के शादी का आयोजन किया गया । गांव के किसान द्वारा गांव के ठाकुर देव भगवान में दोना से धान चढ़ाकर अपने खेत का भूमिपूजन कर नए खेती सीजन का शुभारम्भ का कार्य किया जाता हैं। इसी दिन किसान अपने खेत का भूमि पूजन कर नए खेती सीजन का शुभारंभ करते हैं। जिसमें किसान खरीफ फसल की बुआई करने को शुभ मानते हैं।

खबर संक्षेप

प्रमाणित बीजों का विक्रय मूल्य निर्धारित

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड द्वारा आगामी खरीफ सीजन 2026 के लिए विभिन्न फसलों के बीजों के विक्रय दरों का निर्धारण किया है। बीज प्रबंधक, रूआबांधा एसके बेहरा से प्राप्त जानकारी अनुसार किसानों को इस वर्ष धान, दलहन और तिलहन के बीज नई कीमतों पर उपलब्ध होंगे। जिसमें धान मोटा की दर 3478, पतला धान 3919 से 3949 और सुगंधित धान की दर 4803 प्रति क्विंटल तय की गई है। इसी प्रकार कोदो-कुटकी 7245, रागी 7229, उड़द 14007 से 14351, मूंग 13390 से 14006, कुलथी 3893, सोयाबीन 9573 से 9805, मूंगफली 11816, तिल 20539 से 20557, रामतिल 12846, ढेंचा 22057 और अरहर 11369 से 13220 प्रति क्विंटल की दर निर्धारित की गई है। आधार बीजों का विक्रय दरें प्रमाणित बीजों की विक्रय दरों से 100 रूपए प्रति क्विंटल अधिक होंगी। गत वर्ष धान की मोटा दर 3550, पतला 4030 एवं सुगंधित धान 4650 प्रति क्विंटल थी। इसी प्रकार सोयाबीन 7400, अरहर 11800 से 12500 थी। उड़द और मूंग की दर क्रमशः 11300 से 11400 प्रति क्विंटल थी।

भेलवा तालाब व उद्यान का अधिकारियों ने किया निरीक्षण

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन-1 अंतर्गत नेहरू नगर स्थित भेलवा तालाब और उद्यान का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल और अधिकारियों ने साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लेते हुए आवश्यक संधारण कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान तालाब और उद्यान की वर्तमान स्थिति का अवलोकन करते हुए स्वच्छता, हरियाली व सुविधाओं को बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया गया। तालाब में बेतरतीब फैल रहे कमल, जलकुंभी और अवांछित घास हटाने कहा गया है। गिरे हुए सूखे पेड़ हटाने जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना को निर्देशित किया गया है।

जानलेवा साबित हो रहे हैं बीएसपी टाउनशिप के आधा दर्जन ब्लैकस्पॉट

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

सालों से जर्जर सड़कों के गड्ढों की मरम्मत नहीं होने से आए दिन हो रहे हादसे

बीएसपी टाउनशिप में व्यस्ततम सड़कों पर लोगों को वाहन चलाने का जोखिम बढ़ता जा रहा है। कई सेक्टरों में तिराहों और क्रास स्ट्रीट मोड़ पर ब्लैक स्पॉट बढ़ने से आए दिन दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। इस मामले में प्रबंधन उदासीन बना हुआ है।

टाउनशिप के विभिन्न सेक्टरों के प्रमुख मार्गों का डामरीकरण और पेंचवर्क का कार्य किश्तों में चलता रहा है, लेकिन इससे कई क्षेत्रों में पिछले तीन से पांच साल से अंदर की जर्जर सड़कें और ब्लैक स्पॉट (गड्ठों वाले दुर्घटनाजन्य स्थल) उपेक्षित हैं। सेक्टर, 6, सेक्टर 7, रेलवे एवेन्यू, सेक्टर 3 तिराहा और सेक्टर 8 ओवरब्रिज आदि आधा दर्जन स्थानों पर सड़कें जर्जर हैं और खतरनाक लंबे चौड़े गड्ठों से युक्त हैं। इसके चलते यहां आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। लोग हाथ पांव तोड़वा रहे हैं और हेड इंजुरी के शिकार हो रहे हैं। क्षेत्रवासियों ने बताया कि मात्र कुछ घंटों और कुछ मजदूरों से स्वयं के कच्चे माल यानी एक दो ड्रम तारकोल से रिपेयर करवा सकने वाले यह गड्ठे यानी ब्लैक स्पॉट को लेकर प्रबंधन वर्षों से उदासीन बना हुआ है। इन दुर्घटनाजन्य स्पांट की मरम्मत को लेकर हमने नहीं देखा और हमने नहीं सुना की स्थिति है या फिर टेंडर की औपचारिकता के लिए इंतजार किया जाता है। इसका खामियाजा लोगों को भुगतना पड़ रहा है। आए दिन ड्यूटी व स्कूल कालेज जाते बीएसपी कर्मी, स्टूडेंट्स व कामकाजी महिलाएं गंभीर रुप से घायल होकर अस्पतालों में भर्ती हो रही हैं।

सें. 6 व 7 के जानलेवा ब्लैक स्पॉट

टाउनशिप के कई सेक्टरों में खतरनाक ब्लैक स्पॉट की वर्षों बाद भी मरम्मत नहीं की गई है। इनमें रेलवे एवेन्यू यानी 32 बंगला से सेक्टर 1 जाने वाले मार्ग पर महाराणा प्रताप चौक से चंद्रा मौर्या अंडरब्रिज तक जगह जगह गड्ठे हैं। सेक्टर 5 चौक से ए मार्केट सेक्टर 6 रोड पर भी सड़क 42 के बास गड्ठे हैं जिनमें बारिश में भारी जलभराव हो जाता है। इसी तरह सेक्टर 6 सी मार्केट में सड़क नौ और दस के तिराहे पर लंबे चौड़ गहरे गड्ठे हैं। यहां हर एक दो दिन में दो चार लोग दोपहिया से दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। क्षेत्रवासियों ने बताया कि ई मार्केट के पास दोनों ब्लैक स्पॉट पिछले चार पांच साल से हैं और कई बार पार्षद से लेकर मुख्य महाप्रबंधक तक शिकायत के बाद भी ठीक नही किए गए हैं। बच्चे और महिलाएं रोज घायल हो रही हैं।

सीटू ने पीएम व उच्च प्रबंधन को लिखा पत्र, आदेश वापस नहीं लेने पर कड़े विरोध की चेतावनी

बीएसपी में मैनपावर पर कसेगा शिकंजा, 20 नहीं, 35 प्रतिशत होगी श्रमिकों की छंटनी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

मैन पावर कम होने से बेकारी व बढ़ेगी दुर्घटनाएं

भिलाई इस्पात संयंत्र सहित सेल के सभी सार्वजनिक उपक्रमों में मैनपावर कम करने कर्मचारियों पर शिकंजा कसना शुरु हो गया है। श्रमिकों की प्रतिशत कटौती की घोषणा के बाद अब 35 प्रतिशत कटौती किए जाने के खिलाफ यूनियनों मोर्चा खोल दिया है। इंटक के बाद अब सीटू यूनियन ने सरकार और प्रबंधन के इस कदम का मजदूर विरोध बताते हुए कड़े विरोध की चेतावनी दी है।

सीटू ने पीएम व सेल चेयरमेन के नाम ज्ञापन में कहा की 35 प्रतिशत छंटनी के आदेश से भारी बेकारी फैलेगी। केंद्र सरकार 2014 से अब तक रोजगार देना तो दूर, उल्टे सार्वजनिक उद्योगों में कार्य कर रहे स्थाई एवं ठेका श्रमिकों की छटनी करवा रही है। सार्वजनिक उद्योग हो या निजी उद्योग कहीं भी रोजगार तो पैदा नहीं करवा सके लेकिन अब रोजगार शुदा लोगों को छटनी करने के लिए तरह-तरह फरमान जार कर रहे हैं। भिलाई इस्पात संयंत्र की अधिकांश विभागों की कार्य प्रणाली मैन्युअल है अब यह विभाग भी पुराने होते जा रहे हैं ऐसे पुराने होते जा रहे विभागों में सभी कार्य मैन्युअल हैं। इसके ऑटोमेशन के लिए कोई विशेष कार्य नहीं किया गया है इसीलिए इन विभागों के मैन पावर में कटौती करना सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करना है। मोडेक्स इकाइयों में पहले से ही कम मैन पावर दिया गया है। पहले 20 प्रतिशत छंटनी और अब 35 प्रतिशत छंटनी का आदेश श्रमिक विरोधी है। सीटू ने कहा कि पहले मैन पावर का सर्वेक्षण कर रिपोर्ट देने वाली एक संस्था को बुलाकर सर्वेक्षण कराने के बाद कहा गया कि बीएसपी में मैन पावर बहुत ज्यादा है,जिसमें कटौती करना संभव है। बाद 20% मैनपावर में कटौती का फार्मूला तैयार किया गया और इसे लागू करने के लिए सभी विभागों पर दबाव बनाए जाने लगा। अब मैन पावर में कटौती 20% नहीं बल्कि 35% किये जाने की तैयारी शुरु कर दी गई है। इसे वापस नहीं लिए जाने पर विरोध तेज किया जाएगा।

आगे 12 घंटे कराया जाएगा काम

मैन पावर कम करने के लिए सरकार और प्रबंधन ने श्रमिकों के कार्य के घंटे को 8 से बड़ा कर 12 करना चाहती है। इसके लिए उन्होंने नए श्रम संहिताओं में गोलमोल प्रावधान किया है यदि मैन्युअल अथवा नए विभागों में मैन पावर घटा तो कर्मियों को 8 घंटे के बजाय 10 से 12 घंटा कार्य करना पड़ सकता है। यह अभी भी कई विभागों में ठेका श्रमिकों के लिए शुरू हो चुका है।

सार्वजनिक उद्योग को खत्म करने की साजिश

सीटू ने कहा कि सेल बीएसपी सहित देश के सार्वजनिक उद्योगों को खत्म करने की की साजिश कर रही हहै। रोजगार व विकास में अहम योगदान देने वाले उद्योगों मेंतेजी से ठेकाकरण व निजीकरण किया जा रहा है। अब सार्वजनिक उद्योगों का मकसद लाभ कमाना रह गया है।

बढ़ रहीं संयंत्र के अंदर दुर्घटनाएं

मैन पावर कटौती का असर दिखना शुरू हो गया है जिससे एक शिफ्ट में काम करने के बाद दूसरे शिफ्ट में ड्यूटी करने के कारण दुर्घटना हो रही है। ठेका श्रमिकों को 8 घंटे के बाद रुककर 12 से 16 घंटे तक काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। लगातार ठेका करण के कारण अकुशल श्रमिकों की संख्या बढ़ रही है इसके साथ ही दुर्घटना होने की सम्भावना बढ़ जाती है। दुर्घटनाओं के बढ़ने का प्रमुख कारण सेफ्टी में लापरवाही व मैन पावर कम होना है।

खुर्सीपार कन्या विद्यालय बंद करने के फैसले का विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

- बेटियों की शिक्षा पर संकट का आरोप, स्कूल बंद हुआ तो आंदोलन की चेतावनी

खुर्सीपार स्थित बीएसपी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को बंद करने के प्रस्तावित निर्णय के खिलाफ विरोध तेज हो गया है। आम आदमी पार्टी भिलाई के नेता जसप्रीत सिंह ने इस फैसले का कड़ा विरोध करते हुए मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री को पत्र लिखकर स्कूल को यथावत संचालित रखने की मांग की है।

जसप्रीत ने आरोप लगाया कि वर्ष 1976 से संचालित इस ऐतिहासिक स्कूल को बंद करना गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की बेटियों के भविष्य के साथ अन्याय है। उनका कहना है कि यदि इस तरह सरकारी और सार्वजनिक उपक्रमों के स्कूल बंद किए जाते रहे, तो क्षेत्र में निजी स्कूलों का दबदबा बढ़ जाएगा, जहां की भारी फीस आम लोगों की पहुंच से बाहर है। उन्होंने यह भी कहा कि खुर्सीपार क्षेत्र में बेहतर शैक्षणिक विकल्पों का अभाव है। जो स्कूल उपलब्ध हैं, वे काफी दूरी पर स्थित हैं, जिससे छात्राओं की सुरक्षा और आवागमन को लेकर गंभीर चिंता बनी रहेगी। साथ ही शिक्षा के अधिकार के तहत प्रवेश प्रक्रिया में भी लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जसप्रीत सिंह ने सरकार के बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों का हवाला देते हुए कहा कि एक ओर बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने की बात की जाती है, वहीं दूसरी ओर उनके लिए सुरक्षित और सुलभ विद्यालय को बंद करने की तैयारी की जा रही है। आम आदमी पार्टी ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि बीएसपी प्रबंधन और शासन द्वारा स्कूल को बचाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए और नए प्रवेश फिर से शुरू नहीं किए गए, तो पार्टी जनहित में आंदोलन करने के लिए मजबूर होगी।

सेक्टर 6 ए मार्केट में शराब दुकान खोलने के फैसले का विरोध, पुनर्विचार की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

- पार्षद ने इलाके में सामाजिक माहौल बिगड़ने की जताई आशंका

नगर निगम के एमआईसी सदस्य और सेक्टर-6 के पार्षद साकेत चन्द्राकर ने छत्तीसगढ़ शासन के आबकारी विभाग द्वारा सेक्टर-6 ए मार्केट में शराब दुकान खोलने के निर्णय की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इस फैसले पर आश्चर्य जताते हुए इसे जनहित के खिलाफ बताया। चन्द्राकर ने कहा कि ए मार्केट भिलाई नगर टाउनशिप का प्रमुख और सबसे व्यस्त बाजार है, जहां रोजाना बड़ी संख्या में लोग अपने परिवार के साथ खरीदारी करने पहुंचते हैं। ऐसे पारिवारिक माहौल वाले क्षेत्र के बीच शराब दुकान खोलना अनुचित और अव्यावहारिक कदम है। उन्होंने आशंका जताई कि इस फैसले से बाजार में अव्यवस्था बढ़ेगी और महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। साथ ही, आसपास के व्यापारियों के कारोबार पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ने की बात कही।

पार्षद ने यह भी कहा कि क्षेत्र के खाली मैदानों और जर्जर भवनों में पहले से असामाजिक तत्व सक्रिय रहते हैं। ऐसे में शराब दुकान खुलने से नशाखोरी और आपत्तिजनक गतिविधियों में बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे पूरे इलाके का सामाजिक माहौल बिगड़ने की आशंका है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह निर्णय भविष्य में सेक्टर-6 की कानून व्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। चन्द्राकर ने सरकार से इस फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग करते हुए कहा कि राज्य को शराब दुकानों की संख्या बढ़ाने के बजाय स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्रों पर ध्यान देना चाहिए।

संस्कारों के शहर पर शराब का हमला, सरकार ने भिलाई की आत्मा बेच दी : महापौर नीरज

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

सेक्टर-6 में छत्तीसगढ़ शासन के निर्देश पर शराब दुकान खोलने का निर्णय न सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि यह भिलाई की गौरवशाली पहचान पर सीधा हमला है। मिनी इंडिया के नाम से पहचान रखने वाला भिलाई, जो पूरे देश में शिक्षा और खेल के केंद्र के रूप में सम्मानित है, उसकी संस्कृति को इस तरह कुचलने का काम सरकार ने किया है। यह फैसला पूरी तरह से असंवेदनशील, जनविरोधी और समाज को गर्त में धकेलने वाला है।

जिस स्थान पर शराब दुकान खोली गई है, वहां आसपास स्कूल, चर्च, हनुमान मंदिर, मां बम्लेश्वरी मंदिर और गुरुद्वारा जैसे पवित्र स्थल हैं। बच्चों, युवाओं और धार्मिक आस्था के केंद्रों के बीच शराब बेचने का यह निर्णय सीधे-सीधे सामाजिक ताने-बाने को बिगाड़ने की साजिश है। भिलाई की पहचान यहां की गंगा-जमुनी तहजीब, आपसी भाईचारे और अनुशासन से है। लेकिन सरकार ने अपनी गलत नीतियों के जरिए इस पहचान को दागदार करने का काम किया है। यह केवल एक दुकान नहीं, बल्कि शहर के संस्कारों पर प्रहार है।बीएसपी प्रबंधन, जिसने वर्षों तक टाउनशिप की गरिमा और अनुशासन को बनाए रखा, इन सब कृतयो से एसा लगता है, कि बीएसपी प्रबंधन अपने द्वारा बनाएं गए आदर्शों क़ो कुचलने का काम किया है. उसने भी इस मामले में चुप्पी साधकर या दबाव में आकर एनओसी देकर अपने ही आदर्शों से समझौता किया है।

पहले केवल विशेष परिस्थितियों में एक दुकान की अनुमति दी गई थी, लेकिन अब जिस तरह से नियमों को ताक पर रखकर यह कदम उठाया गया है, वह कई सवाल खड़े करता है कि क्या बीएसपी ने अपनी आत्मा बेच दी है या फिर शासन के दबाव में झुक गया है? सरकार को यह समझ लेना चाहिए कि भिलाई कोई प्रयोगशाला नहीं है, जहां मनमाने फैसले थोपे जाएं। जनता की भावनाओं के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह निर्णय तुरंत वापस लिया जाए, अन्यथा जनआंदोलन होगा और इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन की होगी।

भिलाई-चरोदा निगम में हितग्राहियों को लॉटरी से मिला मकान, होगी सुविधा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा में हुआ एएचपी आवासो का आबंटन महापौर निर्मल कोसरे के समक्ष लाटरी पद्धति से हितग्राहियों को मिला। किराये के मकान में निवासरत परिवारो के लिए भिलाई-3 चरोदा निगम ने सोमवार 20 अपैल को प्रधानमंत्री आवास मोर-मकान मोर-आस का आबंटन किया गया। वार्ड 6 उमदा में लक्ष्मी मैरिज पैलेस जाने वाली रोड पर तालाब के किनारे निर्मित उमदा 87 एएचपी में से 23 आवासो को आबंटन करने लॉटरी प से निकाला गया। इन हितग्राहियों द्वारा 3,24,600 रुपए में मिलने वाले आवासो के लिए 10 प्रतिशत की राशि पूर्व से निगम कोष में जमा करा दी गई थी। यहा निर्धारण होने के बाद 87 आवासो मे से कौन से मकान इन 23 लोगो को मिलेगा। एक माह के भीतर शेष 29,2140 रुपये प्रत्येक हितग्राही को निगम कोष में राशि जमा करना होगा। जिसके बाद उन्हे विधिवत आवासो का आधिपत्य प्राप्त होगा। निगम सभागार में लॉटरी प्रक्रिया से आवास आबंटन के दौरान महापौर, नेता प्रतिपक्ष राम खिलावन वर्मा, एमआईसी सदस्य ईश्वर साहू, पार्षद प्रेमलता चंद्राकर समेत निगम के अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

उपभोक्ता, सुरक्षा नियमों का पालन अनिवार्य

बिजली के खतरों के प्रति रहें सतर्क

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक संजय खंडेलवाल ने क्षेत्र में बढ़ती विद्युत दुर्घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए उपभोक्ताओं से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में उद्योग, खेती और घरेलू कार्यों में बिजली का उपयोग बढ़ने के साथ-साथ वितरण प्रणाली का भी विस्तार हुआ है। ऐसे में विद्युत उपकरणों और लाइनों के उपयोग में बरती गई जरा सी भी लापरवाही या अज्ञानता जानलेवा साबित हो सकती है।

कार्यपालक निदेशक ने हाल ही में हुई कई दुखद घटनाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि नेवारीखुर्द, गुण्डरदेही, चरोदा, खुर्सीपार और साजा क्षेत्रों में हुई मौतों का मुख्य कारण सुरक्षा नियमों का उल्लंघन और लापरवाही रहा है। जांच में पाया गया कि घरों के पास से गुजरती 11 केवी लाइनों के संपर्क में आने, लोहे की सीढ़ी या एंगल के टकराने और दीवारों पर पानी की तराई करते समय या राजमिस्त्रियों द्वारा निर्माण कार्य करते समय, बिजली लाइनों के करीब जाने से, खेतों में अवैध तरीके से बिजली प्रवाहित करने और ढीले व कटे-फटे तारों के उपयोग और जीआई तारों में कपड़े सुखाने के कारण ये हादसे हुए। सोलर पैनल लगवाते समय लोहे की सीढ़ी या एंगल का विद्युत लाइनों के करीब आना एक बड़ा खतरा बनकर उभरा है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी है कि उपभोक्ता यथासंभव 33 केवी, 11 केवी की हाई-वोल्टेज या निम्नदाब लाइनों के नीचे किसी भी तरह का निर्माण कार्य न करें।

हवा के माध्यम से भी करंट का खतरा

उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे आंधी-तूफान के कारण टूटे हुए तारों या गिरे हुए खंभों को छूने की गलती न करें, क्योंकि वे ऊर्जित हो सकते हैं। साथ ही, किसी भी प्रकार के खतरे जैसे ढीले तार या खुले ट्रांसफार्मर की सूचना तत्काल बिजली विभाग को दें ताकि समय रहते दुर्घटना को टाला जा सके। उपभोक्ता हाई-वोल्टेज लाइनों के पास धातु की सीढ़ी, लंबे पाइप या गीले बांस का उपयोग न करें, क्योंकि उच्च वोल्टेज बिजली हवा के माध्यम से भी करंट मार सकती है। कार्यपालक निदेशक ने कहा कि जो भी व्यक्ति आपूर्ति लाईनो से अवैध कनेक्शन लेता है, कम खपत दर्ज करने के लिये मीटरों से छेड़छाड़ करता है या अनाधिकृत उद्देश्यों के लिये बिजली का उपयोग करता है, उनके विरूद्ध विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के अंतर्गत कार्यवाही की जाती है। जिसमें जुर्माने के अतिरिक्त तीन वर्ष तक की सजा का प्रावधान है। कार्यपालक निदेशक ने सभी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे स्वयं जागरूक बनें और दूसरों को भी सुरक्षित बिजली उपयोग के प्रति प्रेरित करें, ताकि विद्युत दुर्घटनाओं के खतरों से बचा जा सके।

जयंती स्टेडियम के समीप खेल आधारित वाटिका का लोकार्पण

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवा विभाग द्वारा नगर क्षेत्र में जयंती स्टेडियम के मुख्य प्रवेश द्वार के समीप विभिन्न खेल कलाकृतियों से सुसज्जित वाटिका का लोकार्पण किया गया। मुख्य अतिथि बीएसपी के कार्यपालक निदेशक पवन कुमार थे। नगर सेवाएं विभाग के महाप्रबंधक प्रभारी एबी श्रीनिवास विशिष्ट अतिथि थे। इस वाटिका में तीरंदाजी, हॉकी, क्रिकेट, तैराकी, मुक्केबाजी, जिम्नास्टिक, साइक्लिंग, बास्केटबॉल, कुश्ती, भाला फेंक, भारोत्तोलन एवं टेनिस सहित विभिन्न खेलों को कलात्मक रूप में प्रदर्शित किया गया है।

वाटिका को विकसित करने में महाप्रबंधक विष्णु पाठक, उप महाप्रबंधक व खेल प्रमुख राजेंद्र प्रसाद, सहायक महाप्रबंधक सरोज झा, विवेक गुप्ता सहित वाई. उमाशंकर, वीवी श्रीधर की टीम का योगदान रहा। महाप्रबंधक सौमिक डे, ओए के सचिव अंकुर मिश्रा, सेफी नॉमिनी अखिलेश मिश्रा, डीजीएम राघवेंद्र गर्ग, एजीएम रेमी थॉमस और कमरुद्दीन आदि अधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

हरिभूमि लाइव

रायपुर, मंगलवार 21 अप्रैल 2026

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

7747020002, Message at - 9755819129

लाइव इवेंट

पब्लिक स्पीकिंग, सेल्फ-अवेयरनेस और विभिन्न कौशलों पर दिया जोर

भिलाई। पांच दिवसीय एम्प्लॉयबिलिटी स्किल्स ट्रेनिंग प्रोग्राम के अंतर्गत पब्लिक स्पीकिंग, कम्युनिकेशन स्किल्स, सेल्फ-अवेयरनेस सहित महत्वपूर्ण कौशलों को नर्सिंग स्टूडेंट्स में विकसित करने के लिए सेमिनार का आयोजन किया गया। पीजी कॉलेज ऑफ नर्सिंग हॉस्पिटल सेक्टर भिलाई में महिंद्रा प्राइड क्लासरूम के तहत नांदी फाउंडेशन द्वारा आयोजित प्रशिक्षण सत्र का संचालन फाउण्डेशन के एक्सपर्ट ट्रेनर हिरेश कुमार द्वारा किया गया, जिन्होंने इंटरएक्टिव सेशन्स और प्रैक्टिकल एक्टिविटीज़ के माध्यम से विद्यार्थियों को सक्रिय रूप से जोड़ा। उन्होंने अपने सेशन्स में पब्लिक स्पीकिंग, कम्युनिकेशन स्किल्स, कॉन्फिडेंस बिल्डिंग और सेल्फ-अवेयरनेस जैसे महत्वपूर्ण कौशलों को विकसित करने पर विशेष जोर दिया। सेल्फ-अवेयरनेस और पर्सनालिटी डेवलपमेंट से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं, जिससे विद्यार्थियों को अपनी क्षमताओं को समझने और आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद मिली। ये सत्र अत्यंत ज्ञानवर्धक और रोचक रहे, जिनमें विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। इस बैच में लगभग 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया। आगामी चरण में अन्य विद्यार्थियों के लिए भी इस प्रशिक्षण का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में पीजी कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्रिंसिपल डॉ रोजा प्रिन्सी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम स्टूडेंट्स को भविष्य के व्यावसायिक अवसरों के लिए तैयार करने और उनकी एम्प्लॉयबिलिटी स्किल्स को बेहतर बनाने में अत्यंत लाभकारी सिद्ध होते हैं। इस दौरान डॉ जया चक्रवर्ती सहित सभी विभागों के एचओडी, फैकल्टी मेम्बर्स तथा कॉलेज में संचालित बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग तथा पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग की बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थीं। ट्रेनिंग प्रोग्राम के समापन के अवसर पर प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट और पुरस्कार प्रदान किये गये।

■ नर्सिंग कॉलेज में एम्प्लॉयबिलिटी स्किल्स ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन

● अक्षय तृतीया पर अपनी-अपनी परंपरानुसार किया दान-पुण्य, गुड्डे-गुड़ियों का रचाया विवाह

अक्ति पर बच्चे बने घराती और बराती, शादी में टिकावन कर निभाई रस्में, परशुराम की निकाली शोभायात्रा

ट्विनसिटी में अक्षय तृतीया यानी अक्ति का पर्व उदया तिथि के अनुसार सोमवार को श्रद्धा और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ धूमधाम के मनाया गया। इस अवसर पर सेक्टर एरिया में कुछ घरों में तो वही सुपेला से लेकर दुर्ग के सभी स्थानों में परंपरानुसार सुबह से ही गुड्डे-गुड़िया की शादी रचाई गई। इस दौरान हर गली-मोहल्ले में मंडप सजे और गुड्डे-गुड़ियों की शादी की। राम जानकी मंदिर रामनगर में बच्चों द्वारा गुड्डे-गुड़ियों की शादी कराई। सुबह से ही विवाह के छत्तीसगढ़ी पारंपरिक गीत बजते रहे और बच्चों से लेकर बड़ों तक ने उस पर जमकर डांस किया।

भिलाई। शादी के बाद गुड़ियों की विदाई की भी रस्म निभाई गई। वहीं किसानों ने अपने खेतों में पहुंच कर बीज की बोआई की। अक्षय तृतीया पर पर सबसे ज्यादा बच्चों में उत्साह दिखाई दिया। बच्चों को पर्व का महत्व बताने गुड्डे-गुड़ियों की शादी रचाई गई। घरों में बच्चों की टोली ने बड़ों के साथ मिलकर मंडप सजाया। फिर विधि-विधान के साथ गुड्डे-गुड़ियों की शादी की। छोटे से नगाड़े के साथ बॉक्स में बज रहे फिल्मी गीत पर झूमते हुए नन्हें-मुन्हें बराती निकले। घरातियों ने भी उनका स्वागत किया। सारा इंतजाम बच्चों की ओर से किया गया था। अक्ती के मौके पर गांव के गली मोहल्लों में विवाह गीत बजते रहे। ख्याति साहू, नेहा, पाखी, डोलिशा साहू, कुमकुम, सोम्या, आस्था और भावना शामिल थीं।

पितरों को तर्पण देने निभाई गई परंपरा

जिन परिवारों में बीते वर्ष किसी सदस्य का निधन हुआ, वहां अक्ति तर्पण कर पूर्वजों को जल अर्पित किया गया और खीर-पूड़ी का भोग लगाया गया।

आस्था और परंपरा का संगम

तिथियों को लेकर मतभेद के बावजूद ग्रामीणों में भी उत्साह बना रहा। किसानों के लिए अक्ति केवल एक पर्व नहीं, बल्कि नई फसल, नई उम्मीद और समृद्धि की शुरुआत का प्रतीक है।

मोहल्ले को दिया था निमंत्रण

अक्ति से पहले बच्चों ने गुड्डे-गुड़ियों के ब्याह का निमंत्रण दिया। गुड़िया की शादी में बच्चों ने चूलमाटी से लेकर हल्दी चढ़ाने की रस्म निभाई। एक आम शादी की तरह ही सभी रस्म पूरी की गई। बच्चों का पक्ष गुड्डे और दूसरा पक्ष गुड़िया के साथ रहा। मंडप तक बरात पहुंचे और विवाह की रस्म पूरी की। बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए परिवारजन और मोहल्ले वासी भी पहुंचे। गुड्डे-गुड़िया को पीले चावल का तिलक लगाते हुए टिकावन भेट किया। फिर मंडप में बच्चों का उत्साहवर्धन करने बड़ों ने टिकावन दिया।

सिटी इवेंट

महिलाओं को खानपान के लिए किया जागरूक, की गोदभराई

भिलाई। परियोजना दुर्ग ग्रामीण के ग्राम पंचायत सिरसा में जिला महिला बाल विकास द्वारा परियोजना स्तरीय पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन एवं अध्यक्षता जिला पंचायत सदस्य जितेंद्र यादव थे । विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी आरके जामुलकर और जिला महिला बाल विकास अधिकारी अजय साहू व जनपद सदस्य रजनी साहू ग्राम पंचायत सरपंच भुनेश्वरी कुर्रे पोषण आहार विशेषज्ञ डां. निशा शर्मा महिला मोर्चा अध्यक्ष लक्ष्मी कुंभकार वेद प्रकाश साहू अर्जुन पटेल हरीओमभोले कुंभकार,पंच संतोष साहू आईसीपीएस की टीम से चंद्रप्रकाश पटेल लोक मणि साहू सीता कन्नौजे विशेष रुप से उपस्थित थे।

देवी सरस्वती के पूजन बाद अतिथियों का स्वागत शॉल श्रीफल से किया गया। परियोजना अधिकारी उषा झा ने बताया कि 9 अप्रेल से शुरु हुआ पोषण पखवाड़ा 23 अप्रैल तक दुर्ग ग्रामीण परियोजना के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में मनाया जा रहा है। रोज अलग-अलग थीम अनुसार केंद्रों में पोषण पखवाड़ा का आयोजन करके प्रतिदिन की एंट्री पोषण पखवाड़ा के साइट में की जा रही है। जनपद अध्यक्ष ने विभिन्न कार्यक्रम के माध्यम से पोषण व स्वास्थ्य जागरुकता के लिए विभाग की सराहना की।डां. शर्मा ने कुपोषण के कारण को बताते हुए माताओं को पोषण स्तर का ध्यान रखने और बच्चों के खान पान पर विशेष ध्यान देने जागरुक जागरूक किया। आईसीपीएस की टीम द्वारा महिलाओं को पॉक्सो एक्ट, बाल विवाह मुक्त अभियान दहेज प्रताड़ना, घरेलू हिंसा अधिनियम और मिशन वात्सल्य की जानकारी दी गई। पूर्व मेंपोषण पखवाड़ा के तहत सभी लोगों को बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान हेतु शपथ दिलाई गई।

■ महिला बाल विकास विभाग द्वारा सिरसा में परियोजना स्तरीय पोषण पखवाड़ा

सांस्कृतिक कार्यक्रम व गोदभराई

इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कृत किया गया। उत्कृष्ट कार्य के लिए पर्यवेक्षक शशि रैदास गीतांजलि भैसारे तृप्ति शर्मा चंद्रकला वर्मा तथा 6 कार्यकर्ताओं एंव 4 सहायिका को सम्मानित किया गया । आयोजित विभिन्न खेल गतिविधियों के विजेता प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया। कुर्सी दौड में प्रथम शारदा मंडारे,द्वितीय संतोषी निषाद व तृतीय सुनीता साहू रहीं। मटका फोड़ में प्रथम अलका यादव और द्वितीय जनता बंछोर रहीं। व्यंजन प्रदर्शनी के प्रतिभागियों को मैडल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में चार महिलाओं का गोद भराई और तीन बच्चों का अन्नप्राशन किया गया।कार्यक्रम में जेवरा ननकट्टी नगपुरा की कार्यकर्ता, सहायिका और अनेक ग्रामीण महिला उपस्थित थीं ।

मूर्तिपूजक संघ का ग्रीष्म कालीन शिविर दुर्ग में, सीए मिनेश संयोजक नियुक्त

भिलाई। धर्म, संस्कार एवं व्यक्तित्व निर्माण के उद्देश्य से आयोजित होने वाला महाकौशल जैन मूर्तिपूजक संघ का ग्रीष्मकालीन शिविर इस वर्ष दुर्ग में 21 से 31 मई तक आयोजित किया जाएगा। लगभग 7-8 वर्षों के अंतराल के बाद यह शिविर फिर से दुर्ग में आयोजित होने जा रहा है, जिससे जैन समाज में उत्साह का माहौल है। शिविर का आयोजन श्री आदिनाथ जैन श्वेतांबर मंदिर परिसर स्थित श्री ऋषभदेव परिसर में होगा, जिसमें 13 से 25 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं को सहभागिता का अवसर मिलेगा। शिविर में उनके आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

श्री आदिनाथ जैन श्वेतांबर मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सीए पदम बराड़िया और महामंत्री विनोद गोलछा सहित कार्यकारिणी द्वारा सीए मिनेश छाजेड़ को शिविर संयोजक नियुक्त किया गया है। संयोजक के नेतृत्व में विभिन्न समितियों का गठन किया गया है, जिनमें भोजन समिति, व्यवस्था समिति एवं पंजीयन समिति शामिल हैं। दुर्ग की महिला मंडल को स्वयंसेवक दल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। शिविर में प.पू. साध्वी मंजुला म.सा. आदि ठाणा का पावन सान्निध्य प्राप्त होगा, जिनके मार्गदर्शन में शिविरार्थियों को धर्मज्ञान, संस्कार, अनुशासन एवं जीवन मूल्यों की शिक्षा दी जाएगी। शिविर के अंतर्गत शास्त्र अध्ययन, प्रवचन, ध्यान, समूह गतिविधियां एवं नैतिक शिक्षा जैसे कार्यक्रम आयोजित होंगे। आयोजकों ने बताया कि सीमित स्थान होने के कारण इच्छुक प्रतिभागियों से शीघ्र पंजीयन कराने का अनुरोध किया गया है।

■ दुर्ग में 21 से 31 मई तक आयोजित होगा शिविर, साध्वी मंजुला देंगी प्रवचन

भीषण गर्मी में शीतल जल और छाछ से राहगीरों को मिल रहा सुकून

भिलाई। शहर में लगातार बढ़ते तापमान के बीच जहां दोपहर की तपती धूप लोगों के लिए चुनौती बन रही है, वहीं फॉरेस्ट एवेन्यू एचआईजी-5 हुडको के सामने स्थित संस्था दिशा द्वारा संचालित प्याऊ राहगीरों के लिए राहत का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। यहां उपलब्ध शीतल जल, छाछ और पारंपरिक पेय पदार्थ राह चलते लोगों को गर्मी से तात्कालिक सुकून प्रदान कर रहे हैं।

संस्था द्वारा इस प्याऊ में प्रतिदिन शीतल जल के साथ-साथ मठ्ठा, जलजीरा, छाछ, लस्सी, सत्तू एवं बताशे का वितरण किया जा रहा है। दोपहर के समय जब तापमान अपने चरम पर पहुंच जाता है, तब यहां रुककर राहगीर कुछ पल विश्राम करते हुए राहत का अनुभव करते हैं। इस सेवा कार्य की विशेषता यह है कि इसमें केवल संस्था के सदस्य ही नहीं, बल्कि महिला सदस्य, उनके परिवारजन, मित्रगण तथा स्थानीय नागरिक भी सक्रिय रूप से सहभागिता निभा रहे हैं। सभी लोग समर्पण और आत्मीयता के साथ सेवा में जुटे हुए हैं। सोमवार को हुडको वार्ड पार्षद और एमआईसी सदस्य सीजू एंथोनी विशेष रूप से उपस्थित थे। उन्होंने संस्था के इस सेवा कार्य की सराहना की।

कार्नर न्यूज

मां अनुसूया महाराष्ट्र मंडल ने समाजिक एकता का दिया संदेश

गौरी उत्सव में दिखी महिला सशक्तिकरण की झलक, पारंपरिक ड्रेस में किया कैटवॉक

भिलाई। मां अनुसुया महाराष्ट्र मंडल द्वारा चैत्र गौरी का कार्यक्रम रामनगर स्थित गायत्री शक्तिपीठ में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. सविता देशमुख और अंजली पुन्नम का हल्दी-कुमकुम और सुहाग की सामग्री देकर स्वागत और सम्मान किया गया। अपने संबोधन में डॉ. सविता देशमुख ने कहा कि हमारी पहचान हमसे नहीं, हमारे कार्यों से होती है। कोई भी कार्य छोटा नहीं होता। हमें हमेशा सक्रिय रहना चाहिए। अंजली पुन्नम ने मंडल की सदस्यों का मराठी परंपरागत वेशभूषा में कैटवॉक कर अपनी कला का प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि भिलाई में मिनी महाराष्ट्र की झलक दिखाई दी।

10 से 40 का सफर-एकता का संदेश

मंडल की अध्यक्ष नंदा शेगोकर ने बताया कि 15 सितंबर 2025 को 10 सदस्यों के साथ ग्रुप की स्थापना की गई थी। आज यह संख्या 40 तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि मंडल एकता और अखंडता का संदेश आगे बढ़ा रहा है। महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और समान अधिकार के लिए सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा आज की महिलाओं को अंतरिक्ष, विज्ञान, खेल, राजनीति और व्यापार के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना जैसी सरकारी योजनाओं की ओर ध्यान देना जरूरी है।

कैटवॉक में दिखा उत्साह

कार्यक्रम में आयोजित पारंपरिक कैटवॉक में प्रथम भारती उज्जवने, माला बुलबुले द्वितीय और दीपा हुले तृतीय स्थान पर रहीं। सांत्वना पुरस्कार प्रवली दडवे और रेणुका तांबेकर को मिला। कार्यक्रम में वनश्री, रेखा, संगीता, खुशी, मीना, ज्योति नागपुरे, पल्लवी, शोभा, भारती, पुनम, निलीमा, ज्योति सोनोने, सुरेखा, प्रतिभा भरणे, अर्चना नखाते, अर्चना, ममता, कविता, दर्शना, चित्रा, नीता, गिष्मा, राजश्री, सरोज साकोरे और क्रांती जेवने उपस्थित रही।

पूजा में मौसमी फलों का भोग

चैत्र गौरी पूजा मार्च व अप्रैल महिने में होती है। इस अवसर पर मौसमी फल आम, खरबूजा, चना, बताशा और आम के पन्ने का भोग लगाया जाता है। मंडल की सचिव मन्दा कामिनकर ने कहा कि भारत की नारी की अपनी सांस्कृतिक पहचान है। उन्होंने भारत की पहली महिला डॉक्टर आनंदीबाई गोपाल राव जोशी का उदाहरण देते हुए कहा कि जब आनंदीबाई विदेश में डॉक्टरी पढ़ने गईं तो उन्होंने अंग्रेज महिलाओं को जमीन पर बैठकर हाथ से भोजन करने तक सभी भारतीय परंपराओं से अवगत कराया। उन्होंने विदेश में भी महिला सदस्यों को संगठित कर भारत के लिए मिसाल कायम की। घर-परिवार हो या समाज, सबको जोड़ने की आवश्यकता है।

सिटी इवेंट

गर्मी में पशुओं की प्यास बुझाने रखी गई पानी टंकी

भिलाई। परशुराम जन्मोत्सव के पवन अवसर पर आंध्रा ब्राह्मण संघम बीएमवाय चरोदा के सदस्यों द्वारा चरोदा के कई जगहों पर भीषण गर्मी में जानवरों की प्यास बुझाने सीमेंट पानी टंकी रखा गया। आंध्रा ब्राह्मण संघम बीएमवाय चरोदा पिछले कई वर्षों से क्षेत्र में सामाजिक कार्य करते आ रही है। इस वर्ष गर्मी की तीव्रता को ध्यान में रखते हुए संघम के कार्यकर्ताओं ने पालतू जानवरों के लिए जल सेवा का कार्य शुरू किया है। संघम के प्रेसिडेंट जम्मी वेंकट ने बताया कि आंध्रा ब्राह्मण संघम हर तरह से सामाजिक कार्य करने कृत संकल्पित है।

समाज इवेंट

सत्य, धर्म और अनुशासन ही समाज का आधार

दुर्ग। भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर शहर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि भगवा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व द्विज एकता मंच के अध्यक्ष देवेश मिश्रा थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरुदेव महंत यज्ञानंद ब्रह्मचारी ने की।

कार्यक्रम की शुरुआत भगवान गणेश की पूजा से हुई, जिसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान परशुराम की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। महंत यज्ञानंद ब्रह्मचारी ने अपने संबोधन में भगवान परशुराम से विश्व में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि परशुराम ने त्रेता युग में अन्याय और अत्याचार के खिलाफ खड़े होकर समाज में संतुलन स्थापित किया और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। देवेश मिश्रा ने कहा कि आज जरूरत है भगवान परशुराम के संदेशों को जीवन में उतारने की। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग को मिलकर शांति, सद्भाव और राष्ट्र की उन्नति के लिए कार्य करना चाहिए। जो तत्व सामाजिक व्यवस्था और राष्ट्रहित के खिलाफ हैं, उन्हें सही मार्ग पर लाना भी समाज की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के अंत में भगवान परशुराम की भव्य आरती की गई और प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर आकाश दुबे, वरुणेश्वर पांडेय, अतुल शुक्ला, अभिषेक शर्मा, सचिन मिश्रा, चित्रांश तिवारी, देवेश तिवारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु और मातृशक्ति उपस्थित थे।

सीबीएसई 10वीं बोर्ड में विद्यार्थियों ने मारी बाजी

भिलाई। भिलाई पब्लिक स्कूल में सीबीएसई कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में इस वर्ष छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त कर स्कूल का नाम रौशन किया है। जिसमें बीना साहू ने 85 प्रतिशत,हिमांशु ने 82.2 प्रतिशत, तनमय शर्मा 81.2 प्रतिशत अंक हासिल किया है। इस शानदार परिणाम पर भिलाई पब्लिक स्कूल के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं, स्टाफ, अभिभावकों का सहयोग सराहनीय रहा। स्कूल के चेयरमेन एचपीएस उप्पल,प्राचार्या हरविंदर कौर उप्पल ने सफलता पर हर्ष व्यक्त किया है।

थोरियम और यूरेनियम के रोकथाम के विषय में नेहा को मिली डॉक्टरेट की उपाधि

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय में थोरियम एवं यूरेनियम के रोकथाम के विषय में नेहा वर्मा को डॉक्टर संतोष कुमार सार प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष रसायन विज्ञान विभाग के दिशा निर्देशन में उनके शोध कार्य टॉपिक स्टडीज ओं रिमूवल का थोरियम और यूरेनियम आयन फ्रॉम एक्विवयस सॉल्यूशन बाय यूजिंग बायो एडसरबेंट में डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने एससीआई और स्कोपस पत्रिकाओं में 5 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं और थोरियम और यूरेनियम के संरक्षण पर एक पेटेंट भी प्राप्त किया है। बीआईटी के प्रधानाचार्य डॉ. अनुप मिश्रा और उप-प्रधानाचार्य डॉ. एस. के. जायसवाल ने नेहा को इस कार्य के लिए बधाई दी है।

नेहा गोविंद प्रसाद वर्मा सेवानिवृत्त बी एस पी कर्मचारी वरिष्ठ तकनीशियन, कोक ओवन सीओ और सीसीडी विद्युत रखरखाव विभाग और सरस्वती वर्मा की पुत्री हैं।

पूर्व सीएम से कार्यकताओं ने की मुलाकात

भिलाई। पूर्व सीएम भूपेश बघेल से कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने मुलाकात किया। इस दौरान पाटन विधानसभा क्षेत्र के बारे में चर्चा हुआ। इसके अलावा महिला आरक्षण के लिए बातचीत की गई। जिसमें भाजपा 2023 के आरक्षण बिल पास किया था। उसे लेकर भाजपा भ्रम फैला रही है। मुलाकात में विधायक हर्षिता स्वामी बघेल, दुर्गा ग्रामीण अध्यक्ष राकेश ठाकुर, भिलाई शहर अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, महामंत्री व प्रभारी राम सूर्यवंशी,राहुल वर्मा,प्रेम मिश्रा समेत कार्यकर्ता मौजूद थे।

● 37वें स्थापना दिवस पर आईएएस डहरिया और संस्थापक सदस्य हुए सम्मानित

सतनाम भवन परंपरा, एकता व सामाजिक जागरुकता का केंद्र, युवाओं को यूपीएससी में आगे आने किया प्रोत्साहित

भिलाई। सेक्टर-6 स्थित पवित्र सतनाम भवन का 37वां स्थापना दिवस श्रद्धा, गरिमा और भव्यता के साथ मनाया गया। गुरु घासीदास सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में समाज के प्रबुद्धजन, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। आयोजन ने एक बार फिर समाज की एकता, संस्कृति और भविष्य की दिशा को मजबूत करने का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत गुरु गद्दी पर पुष्प अर्पण, सामूहिक गुरु आरती और दीप प्रज्वलन कर की गई। बाबा गुरु घासीदास के मनखे-मनखे एक समान के संदेश को केंद्र में रखते हुए आयोजन की शुरुआत हुई। स्वागत भाषण में राजेंद्र महिलांग ने अतिथियों का परिचय कराते हुए स्वागत किया।

युवाओं को किया प्रोत्साहित, मिली नई दिशा

मुख्य अतिथि धर्मेंद्र यादव ने कहा कि सतनाम भवन समाज की एकता और सेवा का केंद्र है, जहां से शिक्षा और जागरूकता का प्रकाश फैलाना जरूरी है। आईएएस संजय डहरिया ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज में बदलाव संभव है और युवाओं को प्रशासनिक सेवाओं में आगे आना चाहिए। अपर कलेक्टर सी.एल. मारकंडे ने सामाजिक चेतना और संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूकता पर जोर दिया। समिति अध्यक्ष बी.एल. कुर्रे ने 37 वर्षों की गौरवशाली यात्रा और आगामी सामाजिक योजनाओं की जानकारी साझा की।

सम्मान समारोह बना आकर्षण का केंद्र

आईएएस संजय डहरिया का समिति द्वारा विशेष सम्मान किया गया। सतनाम भवन की नींव रखने वाले संस्थापक सदस्यों को शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले कई विशिष्ट अतिथियों का भी मंच पर सम्मान किया गया।

37वां स्थापना दिवस भविष्य की दिशा

इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सतनाम भवन का 37वां स्थापना दिवस सामाजिक चेतना और भविष्य की दिशा को दर्शाता है। पूर्व पदाधिकारियों ने कहा कि यह आयोजन केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि समाज को शिक्षा, एकता और प्रगति की ओर अग्रसर करने का मंच बना है। वक्ताओं के संदेशों ने युवाओं में नई ऊर्जा और समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव जागृत किया।

आयोजन में दिखी सामाजिक एकजुटता

कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक और सैकड़ों की संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर आजीवन सदस्यता ग्रहण करने वाले सदस्यों में बी एल कुर्रे, आर सी देशलहरा, एस आर नवरंगे, शंभु डहरिया और नेमभारती को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। आयोजन ने समाज में एकजुटता, सहयोग और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन महासचिव नेतराम गिलहरे ने किया। समारोह के दौरान केक काटकर स्थापना दिवस को यादगार बनाया गया। अंत में सह-सचिव टेकराम बंजारे ने सभी अतिथियों और उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी आर.सी. देशलहरा कोषाध्यक्ष, दिवाकर गायकवाड़ सह-सचिव, एस.आर. नौरंगे, रूपेश बारले, त्रिलोचन डेहरे, शंभू डहरिया, सतीश डहरे, किशोर भारद्वाज, मनबोधी कुर्रे, सागर टंडन, योगेश्वर चतुर्वेदी, नोहर सिंह कुर्रे, कैलाश चतुर्वेदी, बिसाहू राम बघेल, भामिनी बंजारे, उषा देशलहरा, कृष्णा पात्रे, शीतल चेलक, हेमिन चतुर्वेदी, बिन्दु दिवाकर, सीमा कुर्रे, रामजी गायकवाड, राजमहंत जवाहर कौशल, के एन जोशी, विजय जागड़े सहित काफी संख्या में सामाजिक जन उपस्थित थे।

परशुराम जयंती मनाई

भिलाई में शान से निकाली भगवान परशुराम की शोभायात्रा

भिलाई। शौर्य और ज्ञान के प्रतीक भगवान श्री परशुराम की जयंती के अवसर पर महाराष्ट्रियन ब्राह्मण जागृति सभा भिलाई-दुर्ग द्वारा आयोजित शोभायात्रा से पूरा क्षेत्र भक्ति के रंग में सराबोर नजर आया। जय परशुराम के जयघोष और भजनों की मधुर धुनों के बीच समाज के हजारों लोग उपस्थित थे। केसरिया ध्वजों के साथ हुआ शंखनादशोभायात्रा की शुरुआत शाम हुडको स्थित गजानन महाराज मंदिर से हुआ। कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाते हुए मंदिर के अध्यक्ष श्री राम कुलकर्णी ने भगवान के चित्र पर माल्यार्पण कर महाआरती की। नारियल फोड़ने के पारंपरिक अनुष्ठान के बाद गाजे-बाजे के साथ यात्रा शुरू हुई। भक्तों के लिए मार्ग में जल और शीतल पेय की विशेष व्यवस्था की गई थी। स्कूटी, बाइक और कारों के विशाल काफिले के साथ यह यात्रा हुडको श्री राम चौक, सेक्टर-9 चौक, सिविक सेंटर चौपाटी, DPS चौक से परशुराम चौक रिसाली पहुची। रिसाली के परशुराम चौक पहुंचने पर परशुराम विप्र सेवा समिति के अनिल मिश्रा और उनकी टीम ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय ने परशुराम भगवान की आरती कर आशीर्वाद लिया। भीषण गर्मी को देखते हुए समिति ने छाछ और फलों का वितरण किया।विभिन्न चौक-चौराहों से गुजरने वाली शोभायात्रा का स्वागत तालपुरी गेट में विकास कुलकर्णी और परिवार ने स्थानीय लोगों के साथ उत्साहपूर्वक शोभायात्रा का स्वागत किया। भक्ति गीतों पर झूमते-नाचते श्रद्धालुओं का हुजूम देर शाम वापस गजानन महाराज मंदिर पहुंचा।

खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों का किया उत्साहवर्धन

छग पावरलिफ्टिंग एसो. को मिला नया संरक्षक, इंद्रजीत की नियुक्ति

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

सेक्टर-6 में आयोजित 26वीं छत्तीसगढ़ स्टेट पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2026 और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों के सम्मान समारोह में एक महत्वपूर्ण घोषणा की गई। इस दौरान इंद्रजीत सिंह छोटू को छत्तीसगढ़ पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन का संरक्षक नियुक्त किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे इंद्रजीत सिंह छोटू ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और आयोजन समिति की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए इस तरह के आयोजन बेहद जरूरी हैं। साथ ही, उन्हें संरक्षक बनाए जाने पर उन्होंने एसोसिएशन का आभार भी व्यक्त किया। समारोह में चयनित खिलाड़ियों और कोचों को सम्मानित किया गया। आयोजन का उद्देश्य राज्य के खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देना और उन्हें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार करना रहा। इस अवसर पर एसोसिएशन के महासचिव कृष्ण साहू, कोषाध्यक्ष संतोष देवांगन सहित त्रिलोक सिंह, ए नागभूषण, संतोषी माझी आदि उपस्थित थे।

ठगड़ा बांध में दो दिवसीय नाइट फेस्टिवल में दिखा उत्साह

झिलमिल रोशनी, संगीत और उत्साह के संग सजा माय सिटी, माय कार्निवल, दिखी संस्कृति की झलक

कार्नर न्यूज

भिलाई। शहर में गर्मी के बीच उत्सव की ठंडी फुहार लेकर आया जेसीआई समर कार्निवल माय सिटी, माय कार्निवल ठगड़ा बांध में दो दिनों तक लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। जिसमें शहर की एकता, उत्साह और सांस्कृतिक जीवंतता दिखाई दी। दुर्ग में आयोजित इस दो दिवसीय आयोजन में काफी संख्या में लोग शामिल हुए। आयोजन के समापन अवसर पर सांसद विजय बघेल, विधायक रिकेश सेन, महापौर अलका बाघमार, पूर्व विधायक अरुण वोरा, भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक और कांग्रेस जिला अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

हर उम्र के लिए खास रहा कार्निवल

इस कार्निवल में 50 से अधिक शॉपिंग स्टॉल्स और 20 से ज्यादा फूड स्टॉल्स लेगे, जिसमें लोगों ने खरीदारी की। वहीं बच्चों के लिए बनाया गया किड्स प्ले जोन आकर्षण का केंद्र रहा। वहां बच्चों ने खेल-खेल में खूब मस्ती की। महिलाओं और युवाओं के लिए भी यह आयोजन खास रहा। कार्यक्रम में जेसीआई दुर्ग-भिलाई अध्यक्ष जेसी संतोष रानू कुमार, गौतम श्वेता देशलहरा, हिमांशु देवांगन सहित पूरा टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

डॉक्यूमेंट्री में दिखाई शहर की पहचान और संस्कृति

बच्चों से लेकर महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठजनों तक हर वर्ग के लोगों ने इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और आयोजन को यादगार बना दिया। दो दिवसीय इस कार्निवल में सांस्कृतिक और सामाजिक जीवन की झलक दिखाई दी। दो दिनो तक ठगड़ा बांध का पूरा परिसर रंग-बिरंगी रोशनी, संगीत और उत्साह से सराबोर नजर आया। आइलैंड एरिया में आयोजित प्रोफेशनल फायरवर्क्स शो और 360 डिग्री लाइट और लेजर शो देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो उठे। इस दौरान दुर्ग-भिलाई शहर पर आधारित विशेष डॉक्यूमेंट्री में शहर की पहचान, संस्कृति और विकास की झलकियों को देख दर्शकों भाव-विभोर हो उठे। लाइव संगीत कार्यक्रमों ने माहौल में जोश और ऊर्जा भर दी, जिससे हर उम्र के लोग देर रात तक झूमते नजर आए।

सेहत

सोने से पहले इन आदतों को बनाएं दिनचर्या का हिस्सा, आपको मिलेगी गहरी नींद

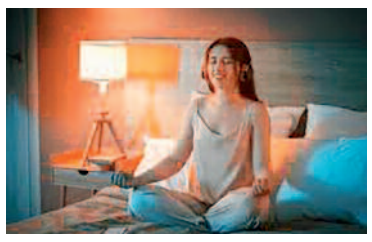

रात को सोने से पहले की आदतें हमारे पूरे दिन को प्रभावित कर सकती हैं। अगर आप चाहते हैं कि आपकी नींद गहरी हो तो आपको अपनी शाम की दिनचर्या पर ध्यान देना होगा। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी आसान और प्रभावी आदतें बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपनी शाम की दिनचर्या को बेहतर बना सकते हैं। इन आदतों से न केवल आपकी नींद बेहतर होगी, बल्कि आपका स्वास्थ्य भी सुधरेगा।

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से दूरी बनाएं : रात को सोने से पहले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग कम करें। टीवी, मोबाइल फोन या कंप्यूटर स्क्रीन पर बिताया समय नींद पर बुरा असर डालता है। इन उपकरणों की नीली रोशनी हमारी आंखों को जगाए रखती है, जिससे हमें नींद नहीं आती। बेहतर होगा कि आप इन उपकरणों को अपने बिस्तर से दूर रखें और सोने कम से कम एक घंटा पहले से इनका उपयोग न करें। इसके बजाय किताब पढ़ना या संगीत सुनना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

हल्का खाना खाएं : रात का खाना हल्का और स्वास्थ्यवर्धक होना चाहिए, ताकि पेट पर अधिक दबाव न पड़े। भारी खाना खाने से पेट भरा हुआ महसूस होता है, जिससे नींद में खलल पड़ता है। बेहतर होगा कि आप रात का खाना कम तेल-मसाले वाला और ताजगी से भरपूर रखें। सलाद, दही या सूप जैसे हल्के विकल्प चुनें। इससे आपका पाचन सही रहेगा और आपको गहरी नींद मिलेगी। इस तरह आप सुबह तरोताजा महसूस करेंगे।

नियमित समय पर सोएं : हर दिन एक ही समय पर सोने और जागने की आदत डालें। इससे आपका शरीर एक निश्चित समय पर सोने के लिए तैयार हो जाएगा और नींद अच्छी आएगी। नियमित समय पर सोने से आपकी जैविक घड़ी सही रहती है, जिससे आप जल्दी सो जाते हैं और गहरी नींद ले पाते हैं। इससे आपकी ऊर्जा स्तर दिनभर ऊंचा रहता है और आप तरोताजा महसूस करते हैं। यह आदत आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होती है।

गर्मियों के दौरान मुंहासों से बचने के लिए अपनाएं घरेलू नुस्खे, होगा बेहतरीन फायदा

गर्मियों में उमस और पसीने के कारण त्वचा पर मुंहासे हो सकते हैं। यह समस्या सिर्फ किशोरों तक सीमित नहीं है, बल्कि युवा और वयस्कों में भी आम है। इस मौसम में पसीना, गंदगी और बैक्टीरिया त्वचा के छिद्रों को बंद कर सकते हैं, जिससे मुंहासे हो सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप गर्मियों के दौरान मुंहासों से बच सकते हैं।

नियमित तौर पर चेहरा धोएं : हर दिन दो बार, सुबह और रात को अपने चेहरे को धोएं। इसके लिए आप किसी भी हल्के फेसवॉश का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपकी त्वचा साफ रहेगी और गंदगी, तेल और बैक्टीरिया के कारण होने वाले मुंहासों से बचाव होगा। चेहरा धोने के लिए गर्म पानी का उपयोग न करें क्योंकि इससे त्वचा का प्राकृतिक तेल प्रभावित हो सकता है। इसके बजाय गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें और उसके बाद चेहरे को मुलायम तौलिये से पोंछें।

त्वचा की गहराई से सफाई करें : त्वचा की सफाई करने से त्वचा की मृत कोशिकाएं हटती हैं और छिद्र साफ होते हैं। आप हफ्ते में एक या दो बार स्क्रब का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए चीनी, नमक या किसी अन्य प्राकृतिक स्क्रब का चयन करें। हालांकि, ध्यान रखें कि बहुत ज्यादा स्क्रब करने से त्वचा पर जलन हो सकती है, इसलिए इसे धीरे-धीरे और हल्के हाथों से करें। इसके अलावा आप चाहें तो दाल और दूध से भी स्क्रब बना सकते हैं।

मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करना न भूलें : बहुत से लोग यह मानते हैं कि तैलीय त्वचा पर मॉइस्चराइजर लगाने से मुंहासे बढ़ सकते हैं, लेकिन यह सच नहीं है। सही प्रकार का मॉइस्चराइजर आपकी त्वचा को नमी देता है और त्वचा का संतुलन बनाए रखता है। इसके लिए जेल बेस्ड मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें क्योंकि ये हल्के होते हैं और त्वचा को ताजगी देते हैं। इसके अलावा ये त्वचा को तैलीय भी नहीं बनाते हैं।

कई पोषक तत्वों से भरपूर, इनका सेवन सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है

सूखे मेवे स्वास्थ्य के लिए हो सकते हैं हानिकारक? जानिए इससे जुड़े भ्रमों की सच्चाई

सूखे मेवे खाने से सेहत को नुकसान पहुंचने की बात कई लोग कहते हैं, लेकिन यह पूरी तरह से सच नहीं है। सूखे मेवे खाने से आपको पोषण नहीं मिल सकता, यह भी एक सामान्य धारणा है। हालांकि, सूखे मेवे कई पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और इनका सेवन सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है। आइए आज हम आपको सूखे मेवे खाने से जुड़ी कुछ आम गलत धारणाएं और उनकी सच्चाई बताते हैं।

धारणा : सूखे मेवे खाने से पाचन पर पड़ता है बुरा असर

यह एक आम धारणा है कि सूखे मेवे खाने से पाचन पर बुरा असर पड़ता है, जबकि ऐसा कुछ नहीं है। सूखे मेवे खाने से अगर आपको कोई परेशानी होती है तो इसकी वजह हो सकती है कि आपने उन्हें ठीक से नहीं चबाया या बहुत अधिक मात्रा में खा लिया हो। अगर आप सूखे मेवे सही मात्रा में खाते हैं और उन्हें अच्छे से चबाकर खाते हैं तो इससे पाचन पर कोई बुरा असर नहीं पड़ता।

धारणा : सूखे मेवे खाने से बढ़ता है वजन

सूखे मेवे खाने से वजन बढ़ता है, यह सबसे आम गलत धारणा है। हालांकि, सूखे मेवे संतुलित आहार का हिस्सा होने चाहिए और इन्हें सही मात्रा में खाने पर इनसे वजन नहीं बढ़ता। सूखे मेवे फाइबर, प्रोटीन और सेहतमंद चर्बी से भरपूर होते हैं, जो वजन कम करने में मदद कर सकते हैं। इन्हें सही मात्रा में खाने से आपको लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होगा और आप ज्यादा खाने से बच सकेंगे।

धारणा : सूखे मेवे खाने से होती है एलर्जी

कुछ लोगों का मानना है कि सूखे मेवे खाने से एलर्जी होती है, लेकिन यह पूरी तरह से गलत है। अगर आपको किसी खास चीज से एलर्जी होती है तो आपको उससे बचना चाहिए, फिर चाहे वह ठंडा हो या गर्म। सूखे मेवे कई पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और इनका सेवन सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है। इसलिए सूखे मेवे खाने से होने वाली एलर्जी के डर को दूर कर देना चाहिए।

धारणा : सूखे मेवे खाने से रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है कमजोर

कुछ लोग मानते हैं कि सूखे मेवे खाने से शरीर की बीमारियों से लड़ने की ताकत कमजोर होती है, जबकि ऐसा कुछ नहीं है। सूखे मेवे विटामिन-E और जिंक जैसे तत्वों से भरपूर होते हैं, जो शरीर की बीमारियों से लड़ने की ताकत को मजबूत बनाते हैं। इसलिए, सूखे मेवे खाने से शरीर की बीमारियों से लड़ने की ताकत कमजोर नहीं होती, बल्कि इसे मजबूती मिलती है।

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को हो सकती हैं कई परेशानियां, बरतें सावधानी

गर्भावस्था एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील समय होता है। इस दौरान महिलाओं को कई शारीरिक और मानसिक बदलावों का सामना करना पड़ता है। हालांकि, इन बदलावों के साथ कुछ छिपे हुए जोखिम भी आते हैं, जिनके बारे में अधिकतर महिलाओं को पता नहीं होता। इन छिपे हुए जोखिमों के बारे में जानकर महिलाएं बेहतर तरीके से अपनी गर्भावस्था का प्रबंधन कर सकती हैं और किसी भी अप्रत्याशित समस्या से बच सकती हैं।

नींद की परेशानी : गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को अक्सर नींद न आने की परेशानी होती है। यह परेशानी मुख्य रूप से हार्मोनल बदलावों और शारीरिक असुविधाओं के कारण होती है। महिलाओं को यह समझना चाहिए कि यह एक सामान्य समस्या है और इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। सही खान-पान, हल्की कसरत और सोने से पहले आरामदायक माहौल बनाकर वे इस समस्या से निजात पा सकती हैं। अच्छी नींद लेना बच्चे और मां, दोनों के लिए जरूरी है।

मानसिक स्वास्थ्य पर असर : गर्भावस्था के दौरान मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर पड़ता है। महिलाओं को उदासी, चिंता या तनाव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। यह जरूरी है कि इस दौरान वे अपने मानसिक स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ से सलाह लें। मानसिक स्वास्थ्य को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है, इसलिए समय-समय पर अपने मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य की जांच करवाना जरूरी है, ताकि आप खुशहाल रह सकें।

पोषण की कमी : गर्भावस्था के दौरान सही पोषण लेना बहुत जरूरी है। अक्सर महिलाएं केवल पेट भरने तक ही सीमित रहती हैं, जबकि उन्हें विटामिन, खनिज और प्रोटीन जैसे जरूरी पोषक तत्वों की जरूरत होती है। सही आहार न लेने से बच्चे का विकास प्रभावित हो सकता है और जन्मजात समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए, गर्भवती महिलाओं को संतुलित आहार लेना चाहिए और डॉक्टर की सलाह के अनुसार सप्लीमेंट्स भी लेने चाहिए।

शारीरिक दर्द

गर्भावस्था के दौरान शारीरिक दर्द आम बात है, लेकिन इसे सामान्य समझकर नजरअंदाज करना गलत होगा। पीठ दर्द, पैरों में सूजन या गर्दन में खिंचाव जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इनका सही उपचार न कराने पर स्थिति बिगड़ सकती है। नियमित हल्की कसरत, सही तरीके से बैठना और आरामदायक गद्दे पर सोना इन समस्याओं से राहत दिला सकता है। इसके अलावा डॉक्टर की सलाह लेना भी जरूरी है, ताकि समय रहते समस्या का समाधान हो सके।

संक्रमण का खतरा

गर्भावस्था के दौरान संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है, क्योंकि इस समय महिला का रोग प्रतिरोधक तंत्र कमजोर होता है। फ्लू, बुखार या पेट संबंधी संक्रमण होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें, ताकि सही इलाज मिल सके। इन छिपे हुए खतरों को समझकर और सावधानी बरतकर महिलाएं अपनी गर्भावस्था को सुरक्षित और स्वस्थ रख सकती हैं। सही जानकारी और समय रहते कदम उठाने से वे किसी भी अप्रत्याशित समस्या से बच सकती हैं।

दूध का झंझट खत्म! इन 'कैल्शियम शॉट्स' से भी लोहे जैसी मजबूत बनेंगी हड्डियां

जब भी डॉक्टर आपको कैल्शियम डाइट बढ़ाने के लिए कहते हैं तो दिमाग में सबसे पहले एक गिलास दूध ही आता है लेकिन आपको ये जान लेना चाहिए कैल्शियम सिर्फ दूध से हीं नहीं और दूसरे ड्रिंक्स से भी ले सकते हैं। खासतौर पर जिन लोगों को डेयरी प्रोडक्ट और दूध पसंद नहीं होते, वो अपनी हड्डियों को मजबूत बनाने और कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए बताए गए सुपर ड्रिंक्स भी ट्राई कर सकते हैं। ये सेहत और स्वाद के लिए अच्छे तो हैं ही, आपके शरीर में कुछ पोषक तत्वों की कमी को भी पूरा करते हैं।

बादाम, सोया या ओट मिल्क : बाजार में बादाम का दूध, सोया मिल्क और ओट मिल्क आसानी से मिल जाता है। ये पोषण और कैल्शियम के मामले में लगभग गाय के दूध के समान ही होते हैं। हालांकि इनको खरीदने से पहले लेवल पर कैल्शियम की मात्रा और सावधानियां पढ़ लेनी चाहिए। यदि आपको दूध पीना पसंद नहीं है तो घर पर भी बादाम और ओट मिल्क बनाकर पी सकते हैं।

छाछ या लस्सी : हेल्दी डायजेशन और कैल्शियम की कमी को कुछ हद तक पूरा करने में दही का भी रोल है। दही और छाछ इसके ही प्रोडक्ट है, जिन्हें नेचुरल प्रो-बायोटिक भी कहते हैं। खासतौर पर गर्मियों में छाछ या लस्सी, दूध से कहीं जल्दी पच जाता है और लिवर हेल्थ इंप्रूव करता है। ये शरीर को अंदर से ठंडा और हाइड्रेटिड रखने के साथ-साथ शरीर के पोषण के लिए भी बेस्ट है।

नारियल का दूध : जैसे गर्मियों में नारियल पानी आपके शरीर को तरोताजा कर देता है। ठीक वैसे ही कोकोनट मिल्क से भी शरीर को हेल्दी फैट और कुछ मात्रा में कैल्शियम भी मिल जाता है। बेशक नारियल के दूध में डेयरी मिल्क जितना कैल्शियम नहीं होता, लेकिन ये रोजाना के लिए जरूरी कैल्शियल और मिनरल की खपत को पूरा सकता है।

स्मूदी : दूध पीना पसंद नहीं है तो अलग-अलग फल और सब्जियों की स्मूदी ट्राई कर सकते हैं। ये आपके शरीर में कैल्शियम के साथ-साथ दूसरे पोषक तत्वों को भी पहुंचा देगी। उदाहरण के लिए- दही और पालक की स्मूदी, केले की स्मूदी आदि। आप चाहें बाजार से योगर्ट भी ले सकते हैं, जिसमें कैल्शियम अलग से एड किया जाता है। ये शरीर की डेली कैल्शियम नीड को पूरा करने में मददगार है।

लाल या काला मटका....? किसका पानी है ज्यादा ठंडा

गर्मियों के मौसम में मिट्टी के बर्तनों (मटकों) की मांग बढ़ जाती है। हालांकि, बाजार में लाल और काले, दोनों तरह के मटके उपलब्ध होने के कारण लोग अक्सर इस बात को लेकर असमंजस में पड़ जाते हैं कि उन्हें कौन सा खरीदना चाहिए। अगर आपके मन में भी यही सवाल है, तो यह लेख खास आपके लिए ही है। आइए जानते हैं कि इन दोनों तरह के मटकों में से कौन सा सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद है और किसमें पानी ज्यादा देर तक ठंडा रहता है।

लाल मिट्टी के बर्तन के फायदे

लाल मिट्टी का बर्तन साधारण मिट्टी से बनाया जाता है। इसकी कीमत भी बहुत कम होती है। हालांकि, इसमें छिद्रों की मात्रा काफी कम होती है, जहां एक तरफ यह गर्मियों में पानी को जल्दी ठंडा कर देता है, वहीं दूसरी तरफ यह पानी को लंबे समय तक ठंडा नहीं रख पाता।

लाल घड़े के पानी से स्वास्थ्य लाभ

इसमें रखे पानी को पीने से होने वाले स्वास्थ्य लाभों की बात करें, तो लाल मिट्टी का बर्तन शरीर के पीएच स्तर को संतुलित करने में मदद करता

है, जिससे एसिडिटी, पेट की समस्याओं और अपच से राहत मिलती है। इसके अलावा, गर्मियों के मौसम में इस तरह के बर्तन में रखा पानी पीने से गले से जुड़ी बीमारियों से भी राहत मिल सकती है।

काले मटके के फायदे

काले मटके को काली मिट्टी से बनाए जाते हैं। अगर आप घर पर काले मिट्टी का बर्तन लाते हैं, तो आपको दो खास फ़ायदे मिल सकते हैं। पहला, यह बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकता है और दूसरा साधारण मिट्टी के बर्तनों की तुलना में इसमें बहुत छोटे-छोटे छिद्रों की संख्या ज्यादा होती है, जिससे इसमें रखा पानी लंबे समय तक ठंडा रहता है। इस तरह के बर्तन से नियमित रूप से पानी पीने से पाचन बेहतर होता है, गले की जलन दूर होती है, मेटाबॉलिज़्म बढ़ता है और शरीर में खनिजों की कमी पूरी होती है।

कार्नर न्यूज

पानी पीना जितना इंपॉर्टेंट है, पानी के बर्तन का ख्याल रखना भी उतना ही जरूरी है

कांच, तांबा या स्टील...? प्यास बुझाने के लिए कौन सा बर्तन है सेहत के लिए 'असली हीरो'

गर्मी हो या सर्दी, पानी तो हम सब पीते हैं इससे बॉडी में हाइड्रेशन बनी रहती है और हानिकारक टॉक्सिंस शरीर के बाहर निकलते रहते हैं। पानी पीना जितना इंपॉर्टेंट है, पानी के बर्तन का ख्याल रखना भी उतना ही जरूरी है। ज्यादातर लोग प्लास्टिक की बोतल में पानी पीते हैं, जो अफॉर्डेबल तो है लेकिन सेहत के लिए हेल्दी ऑप्शन नहीं है। ऐसे में सवाल आता है कि पानी पीने के लिए कौन सी बोतल या कौन सा धातु बेस्ट रहेगा? तांबा, स्टील और कांच.क्या आप भी इसी जवाब को तलाशते हुए यहां आए तो जानें धातु और इसमें रखे पानी के पीछे का साइंस-

पानी के लिए कौन सा बर्तन बेस्ट है?

मार्केट में प्लास्टिक की बोतल आसानी से मिल जाती है, लेकिन ये हेल्थ के लिए सेफ ऑप्शन नहीं है। ऐसे में तांबा, स्टील और कांच की ओर रुरख करना ही फायदेमंद रहेगा। ये बिना किसी हानिकारक प्रभाव के पानी को स्टोर करते हैं। इनमें से हर किसी के विशेष फायदे भी हैं। इनमें से कुछ तो आपके डायजेशन को इंप्रूव करने में भी मदद करते हैं।

स्टील बर्तन न नुकसान, न फायदा

स्टील को बर्तनों में पानी पीने के कोई नुकसान नहीं है और न ही कोई फायदा है। खासतौर पर स्टेनलेस स्टील के गिलास और बोतलों को आँख बंद करके स्टील चुन सकते हैं। सभी झंझटों से दूर ये एक सेफ मेटल है, जिसमें न जंग लगता है, न कोई केमिकल पानी में घुलता है। चाहे पानी गर्म हो या ठंडा।

तांबे का बर्तन सबसे अधिक फायदेमंद

तांबा धातु के आयुर्वेद में कई फायदे गिनाए गए हैं। यदि आप सुबह खाली पेट तांबे के बर्तन में पानी पीते हैं तो ये आपकी बॉडी से टॉक्सिंस और बीमारी पैदा करने वाले तत्वों को बाहर निकाल देता है। नियमित तांबे के गिलास या बोतल से पानी पीने पर पेट की सफाई होती रहती है। ये ना सिर्फ आपकी त्वचा को चमकाता है, बल्कि इम्यूनिटी को भी बढ़ाता है। सावधानी: तांबे में पानी को कम से कम 7-8 घंटे स्टोर करने के बाद ही पिए। ये तब ही फायदेमंद रहेगा। तांबा सेहत के लिए अच्छी धातु है, लेकिन इसके बर्तन में पानी को कई दिन तक स्टोर नहीं करना चाहिए। ये पुराने पानी में केमिकल रिएक्शन करके पाचन को खराब भी कर सकता है।

कांच का बर्तन नाजुक विकल्प

कांच भी किसी वस्तु के साथ रिएक्ट नहीं करता. हालांकि ये एक नाजुक विकल्प है, जो पानी के साथ तो रिएक्ट नहीं करता, लेकिन इसे ध्यान से रखना पड़ता है। कांच का गिलास या बोतल हाथ से छूटते या गिरते ही टूट सकती है। हालांकि कांच की बोतल में पानी पीने से भी हेल्थ के लिए टेंशन पैदा नहीं होती, लेकिन इसके ढक्कन पर लगा पेंट या पॉलिमर से पॉलीइथिलीन के कण पानी में घुल सकते हैं। यदि आप कांच की बोतल खरीद रहे हैं तो इसके ढक्कन का भी विशेष ध्यान रखें।

प्लास्टिक की बोतल को करें अवॉइड

पानी को स्टोर करने या बोतल के लिए कांच, तांबा या स्टील किसी बी धातु को चुन सकते हैं, लेकिन प्लास्टिक की बोतल अवॉइड करना ही समझदारी होगी। इसमें बीपीए या थैलेट जैसे हानिकारक तत्व पानी में धुलकर धीरे धीरे सेहत को नुकसान पहुंचाते रहते हैं और आपको पता भी नहीं चलता।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

जॉन सीना और रॉक की तरह एक्टर नहीं बने ब्रॉक लेसनर

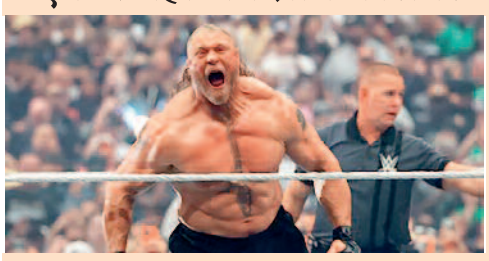

रेसलमेनिया का 42वां एडिशन शानदार रहा। कई बड़े मैचों के बाद एक भावुक पल भी देखने को मिला, जब ब्रॉक लेसनर हार के बाद इमोशनल नजर आए। दरअसल, ओबा फेमी ने उन्हें मैच में हरा दिया। इसके बाद लेसनर काफी निराश दिखाई दिए। उन्होंने रिंग में अपने ग्लव्स और बूट्स उतार दिए। इसके बाद उनके मैनेजर पॉल हेमन ने भी रिंग में उन्हें गले लगाया। लेसनर ने फैंस को धन्यवाद देते हुए विदाई जैसा इशारा किया। इस बीच फैंस ने भी 'थैंक यू लेसनर' के नारे लगाते हुए उन्हें सम्मान से विदा किया। इसके बाद से ही लेसनर चर्चाओं में बने हुए हैं। बता दें कि ब्रॉक लेसनर ने आज तक किसी भी बड़े हॉलीवुड फिल्म में लीड या बड़ा एक्टिंग रोल नहीं किया है। डब्ल्यूडब्ल्यूई के दूसरे स्टार्स जैसे ड्वेन जॉनसन (द रॉक) और जॉन सीना की तरह उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में ज्यादा कदम नहीं रखा। कहा जाता है कि उन्होंने खुद द रॉक के कुछ ऑफर्स भी ठुकरा दिए थे, क्योंकि उन रोल्स में उनके किरदार को फाइट सीन हारना पड़ता। अगर उनकी एक्टिंग या फिल्मों की बात करें, तो उनकी मौजूदगी बहुत ही कम रही है। फिल्म फॉक्सकैचर (2014) में वह एक सीन में बैकग्राउंड रेसलर के तौर पर नजर आए थे, लेकिन उनका नाम क्रेडिट में नहीं था। वहीं द पर्ज वॉर पार्ट 1 (2021) नाम की एक शॉर्ट फिल्म में उन्हें परेड बायस्टैंडर के छोटे से रोल में देखा गया। फिल्मों में कम नजर आने के बावजूद, ब्रॉक लेसनर कई डॉक्यूमेंट्री का हिस्सा रहे हैं।

टॉलीवुड

कारा का ट्रेलर जारी, चोर-पुलिस का दिखा रोमांचक खेल

साउथ के मशहूर अभिनेता धनुष की अपकमिंग फिल्म 'कारा' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इसमें संकट के दौर पर आधारित एक एक्शन ड्रामा की झलक देखने को मिली है। ट्रेलर में धनुष एक बैंक लुटेरे की भूमिका में नजर आ रहे हैं। 1991 के खाड़ी युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म, युद्ध के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़े असर और गंभीर ईंधन संकट की कहानी बयां करती है। 2 मिनट 28 सेकंड के ट्रेलर की शुरुआत अखबारों की उन सुर्खियों से होती है, जिनमें युद्ध की घटनाओं का जिक्र है। इसमें संकट के समय भारत के नागरिकों के बीच फैली अशांति को दिखाया गया है। ट्रेलर में आगे दिखाया गया है कि निजी जरूरतों के लिए धनुष कई बैंक लूटते हैं। जब धनुष अपनी लगातार चोरियों से बैंकों में कोहराम मचा देते हैं, तो सूरज वेंजारामूडु उन्हें पकड़ने का फैसला करते हैं और फिर शुरू होता है चोर-पुलिस का रोमांचक खेल। पुलिस और लुटेरे के बीच होने वाली इस रोमांचक दौड़ के अलावा, ट्रेलर में फिल्म के भावनात्मक पहलू को भी दिखाया गया है। एक दृश्य में ममिता बैजू, धनुष से उनकी चोरियों के बारे में सवाल करती हुई नजर आती हैं। विग्नेश राजा 'कारा' का निर्देशन कर रहे हैं। यह उनके करियर की दूसरी फिल्म है। धनुष के अलावा, इस फिल्म में ममिता बैजू, के.एस. रविकुमार, जयराम, पृथ्वी पांडियाराजन, सूरज वेंजारामूडु, एम.एस. भास्कर और श्रीजा रवि जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

भोजपुरी

खेसारी ने इंफ्लुएंसर अभिषेक को किया रोस्ट, बैटलग्राउंड 2 में दिखा अलग अंदाज

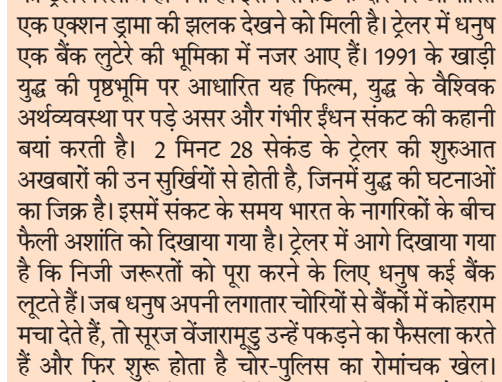

खेसारी लाल यादव भोजपुरी के जाने-माने स्टार हैं। इन दिनों वह एक रियलिटी शो बैटल ग्राउंड का हिस्सा हैं। इस शो में उनका बिल्कुल अलग अंदाज देखने को मिल रहा है। खासकर बिग बॉस फेम अभिषेक मल्हान को रोस्ट करने से वह बाज नहीं आते हैं। हालिया रिलीज प्रोमो में भी उनका यही रूप देखने को मिला। खेसारी लाल यादव 'बैटल ग्राउंड' के दूसरे सीजन में जज, मेंटर के रोल में हैं। जब एक प्रतियोगी को अपनी टीम में लेने की बात आई तो अभिषेक पीछे हटते दिखे। ऐसे में खेसारी बोले- 'आप कहते हैं, ये अच्छे हैं लेकिन अपनी टीम में नहीं लेते हैं और मुझसे पूछते रहते हैं। देखिए, ऐसा लगता है कि आप मुझसे पूछकर ही सब काम करते हैं।' खेसारी की यह बात सुनकर बाकी मेंटर हंसने लगे। अभिषेक को भी खेसारी की बातें सुनकर हंसी आ गई। बैटलग्राउंड 2 एक इंडियन फिटनेस रियलिटी शो है। इसमें काफी मुश्किल शारीरिक और मानसिक टास्क प्रतियोगियों को पूरे करने पड़ते हैं। खेसारी लाल यादव, अभिषेक मल्हान के अलावा प्रियंका चाहर चौधरी, शिखर धवन इस शो में बतौर जज, मेंटर नजर आ रहे हैं। यह शो 17 अप्रैल से अमेजन एमएक्स प्लेयर पर प्रीमियर हो रहा है।

करीना का शाही अंदाज

करीना कपूर ने एक बार फिर साबित कर दिया कि स्टाइल के मामले में उनका मुकाबला करना आसान नहीं है। एक ज्वेलरी इवेंट में उनका ट्रेडिशनल और मॉडर्न का मेल हर किसी का ध्यान खींचा। यह लुक सादगी, शाहीपन और क्लास का खूबसूरत मिश्रण था, जिसमें हर डिटेल खास नजर आ रही थी। उन्होंने फिलोरी कुर्ता सेट पहना। गहरे नीले रंग का अजरख प्रिंट था। नीचे की ओर उन्होंने साधारण पैंट्स की जगह डिजाइनदार सलवार पहनी, जिसमें स्ट्राइप्स और कढ़ाई का सुंदर मेल था। इसने पूरे लुक को हल्का विंटेज और शाही एहसास दिया।

लाइफ स्टाइल

मेकअप करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान त्वचा रहेगी स्वस्थ, चेहरा लगेगा सुंदर

मेकअप करने से पहले कुछ जरूरी कदम उठाना बहुत जरूरी है। इससे न केवल आपका मेकअप बेहतर दिखता है, बल्कि आपकी त्वचा भी स्वस्थ रहती है। सही तरीके से त्वचा की देखभाल करने से मेकअप लंबे समय तक बना रहता है और चेहरे पर चमक आती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी टिप्स देंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपने मेकअप को और भी बेहतर बना सकते हैं।

त्वचा को साफ करें : मेकअप करने से पहले सबसे पहला कदम है कि अपनी त्वचा को अच्छी तरह से साफ करें। इसके लिए आप हल्के फेसवॉश का उपयोग कर सकते हैं, जो आपकी त्वचा की गंदगी और तेल को दूर करे। यह कदम आपके चेहरे को ताजगी देगा और मेकअप के लिए एक साफ आधार तैयार करेगा। इसके बाद अपने चेहरे को साफ पानी से धो लें और टॉवल से हल्के-हल्के पोंछ लें।

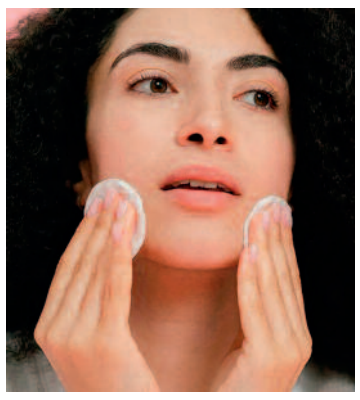

टोनर का करें इस्तेमाल : फेसवॉश के बाद टोनर का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। टोनर आपकी त्वचा के छिद्रों को बंद करने में मदद करता है और अतिरिक्त तेल को हटाता है। इसके लिए आप रूई पर थोड़ा सा टोनर लगाकर अपने पूरे चेहरे पर हल्के हाथों से थपथपा सकते हैं। इससे आपकी त्वचा ताजगी भरी महसूस होगी और मेकअप भी बेहतर तरीके से जमेगा। टोनर का नियमित उपयोग आपकी त्वचा को निखारता है और उसे स्वस्थ बनाए रखता है।

धूप से बचाव का उपाय करें

अगर आप बाहर जाने वाले हैं तो धूप से बचाव के उपाय करना बहुत जरूरी है। यह आपकी त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचाता है और त्वचा को जलने से बचाता है। इसके लिए **SPF** 30 या उससे ऊपर की सुरक्षा वाला क्रीम का उपयोग करें। इसे अपने चेहरे और गर्दन दोनों पर अच्छी तरह लगाएं ताकि आपकी त्वचा सुरक्षित रहे। इस तरह इन कदमों को अपनाकर आप अपने मेकअप रूटीन को और भी प्रभावी बना सकते हैं।

प्राइमर लगाएं

प्राइमर आपके मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखने में मदद करता है। यह आपके चेहरे की अनियमितताओं को छुपाता है और त्वचा को चिकना बनाता है ताकि फाउंडेशन अच्छी तरह से लग सके। इसके लिए आप अपनी त्वचा के प्रकार के अनुसार प्राइमर चुन सकते हैं, जैसे कि तेलीय त्वचा वालों के लिए मैटिफाइंग प्राइमर अच्छा रहता है। इससे आपका मेकअप स्मूद और लंबे समय तक बना रहता है, जिससे आपका चेहरा निखरा हुआ दिखता है।

गर्मियों के लिए आदर्श विकल्प है फूलों के प्रिंट वाली शर्ट, इन तरीकों से करें स्टाइल

फैशन

फूलों के प्रिंट वाली शर्ट गर्मियों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। यह न केवल आरामदायक होती है, बल्कि आपको आकर्षक भी दिखाती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी फैशन टिप्स बताएंगे, जिनसे आप अपनी फूलों के प्रिंट वाली शर्ट को अलग-अलग अंदाज में पहनकर हर मौके पर खास दिख सकती हैं। इन तरीकों को अपनाकर आप अपनी अलमारी को नया रूप दे सकती हैं और हर दिन नए अंदाज का आनंद ले सकती हैं।

जींस के साथ पहनें : फूलों के प्रिंट वाली शर्ट को जींस के साथ पहनना एक शानदार तरीका है। यह मेल न केवल आरामदायक होता है, बल्कि आपको साधारण और आकर्षक लुक भी देता है। आप हल्के रंग की जींस के साथ एक हल्की फूलों वाली शर्ट पहन सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी आकर्षक लगेगा। इस तरह का पहनावा आप रोजमर्रा की जिंदगी में या दोस्तों के साथ बाहर जाने पर पहन सकती हैं।

स्कर्ट के साथ बनाएं खास : अगर आप किसी खास मौके पर जाना चाहती हैं तो अपनी फूलों के प्रिंट वाली शर्ट को स्कर्ट के साथ पहनें। यह मेल आपको एक अलग ही ग्लैमर देता है। आप लंबी या छोटी स्कर्ट, किसी भी प्रकार की चुन सकती हैं। हालांकि, ध्यान रखें कि स्कर्ट का रंग शर्ट के फूलों से मेल खाता हो, ताकि आपका लुक एक जैसा लगे। इस तरह का पहनावा पार्टी या किसी विशेष अवसर पर बहुत अच्छा लगता है।

शॉर्ट्स के साथ मिलेगा नया लुक : गर्मियों में ठंडक पाने के लिए शॉर्ट्स एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। अगर आप इसे अपनी फूलों वाली शर्ट के साथ पहनती हैं तो आपका लुक और भी खास लगता है। आप डेनिम शॉर्ट्स या सूती शॉर्ट्स, किसी भी प्रकार को चुन सकती हैं, जो आपके लिए आरामदायक हों। इस तरह का पहनावा आप सुबह की सैर पर या दोस्तों के साथ पिकनिक पर जाते समय पहन सकती हैं।

बेल्ट का करें इस्तेमाल : अगर आपकी फूलों वाली शर्ट थोड़ी ढीली है तो उसमें बेल्ट लगाने से आपका लुक और भी खास लगेगा। बेल्ट आपकी कमर को उभारती है और आपको स्मार्ट दिखाती है। आप पतली या चौड़ी बेल्ट का उपयोग कर सकती हैं, जो आपके स्टाइल पर निर्भर करता है।

लिनन शर्ट न केवल आरामदायक बल्कि दिखती है स्टाइलिश, देती है ठंडक

गर्मियों के लिए लिनन शर्ट्स एक बेहतरीन विकल्प हैं, जो न केवल आरामदायक होती हैं, बल्कि स्टाइलिश भी दिखती हैं। इनका कपड़ा हल्का और सांस लेने योग्य होता है, जिससे गर्मियों में ठंडक मिलती है। लिनन शर्ट्स की खासियत यह है कि ये पसीने को जल्दी सोखती हैं और जल्दी सूख जाती हैं। आइए आज हम आपको लिनन शर्ट पहनने के पांच फायदे बताते हैं, जो आपके फैशन सेंस को और भी बढ़ा देंगे।

गर्मियों के लिए बेहतरीन कपड़ा : लिनन एक प्राकृतिक कपड़ा है, जो हवा को अच्छे से गुजरने देता है। इससे शरीर को ठंडक मिलती है और पसीना जल्दी सूख जाता है।

लिनन शर्ट्स पहनने से आप लंबे समय तक आरामदायक महसूस करते हैं, खासकर जब तापमान बढ़ता है तो लिनन शर्ट्स एक बेहतरीन विकल्प बन जाती हैं। यह न केवल आपको ठंडक देती हैं बल्कि धूप में भी आपको ताजगी का एहसास करवाती हैं। इसलिए इन्हें गर्मियों के लिए बेहतरीन कपड़ा माना जाता है।

पसीने को जल्दी सोखती

लिनन शर्ट्स पसीने को जल्दी सोखती हैं और जल्दी सूख जाती हैं, जिससे आपको असुविधा महसूस नहीं होती। यह खासियत इन्हें रोजमर्रा के पहनावे के लिए आदर्श बनाती है। पसीने को सोखने और सूखने की क्षमता के कारण लिनन शर्ट्स पहनकर आप पूरे दिन ताजगी महसूस करते हैं। इसके अलावा यह त्वचा के संपर्क में आने पर भी कोई जलन नहीं होती, जिससे लिनन शर्ट्स पहनना और भी आरामदायक हो जाता है।

मजबूत और टिकाऊ : लिनन शर्ट्स बहुत मजबूत होती हैं और लंबे समय तक चलती हैं। इनके निर्माण में प्रयुक्त धागे इन्हें टिकाऊ बनाते हैं। नियमित धोने पर भी इनकी गुणवत्ता बरकरार रहती है। लिनन कपड़े की खासियत यह है कि यह धीरे-धीरे मुलायम होता जाता है, जिससे पहनने में आरामदायक महसूस होता है।

पुरुषों के लिए सूट स्टाइलिंग जो आपको दिखाता है स्टाइलिश, बढ़ाता है आत्मविश्वास

सूट पहनना पुरुषों के लिए एक पारंपरिक और पेशेवर अंदाज है। यह न केवल आपको स्टाइलिश दिखाता है, बल्कि आत्मविश्वास भी देता है। अगर आप सूट पहनने में नए हैं तो कुछ बुनियादी सुझाव आपके लिए फायदेमंद हो सकते हैं। सही फिटिंग चुनना, रंगों का चयन करना, कपड़े की गुणवत्ता पर ध्यान देना, एक्सेसरीज का सही उपयोग करना और जूतों का चयन करना ये सभी अहम हैं। इन सुझावों को अपनाकर आप अपने लुक को और बेहतर बना सकते हैं।

सही फिटिंग का चुनाव करें : सूट की फिटिंग सबसे अहम होती है। अगर आपका सूट सही तरीके से फिट नहीं होता तो वह आपके पूरे लुक को बिगाड़ सकता है। इसलिए हमेशा अपने शरीर के आकार के अनुसार ही सूट सिलवाएं या खरीदें। ध्यान रखें कि कंधे, छाती और कमर की फिटिंग सही होनी चाहिए ताकि आप आरामदायक महसूस करें और पेशेवर दिखें। इसके अलावा हाथों की लंबाई भी सही होनी चाहिए ताकि आप आसानी से अपनी गतिविधियों को कर सकें।

रंगों का चयन समझदारी से करें : सूट का रंग भी बहुत अहम होता है। काले, ग्रे और गहरे नीले जैसे पारंपरिक रंग ऑफिस के माहौल में अच्छे लगते हैं। अगर आप थोड़ा अलग दिखना चाहते हैं तो हल्के रंग जैसे बेज या हल्के भूरे रंग का चुनाव कर सकते हैं। इसके अलावा आप अपनी त्वचा की रंगत और बालों के रंग के अनुसार भी रंग चुन सकते हैं ताकि आपका लुक संतुलित और आकर्षक लगे।

कपड़े की गुणवत्ता पर ध्यान दें : सूट खरीदते समय उसके कपड़े की गुणवत्ता पर खास ध्यान दें। ऊन, लिनन या सूती जैसे अच्छे कपड़े लंबे समय तक चलते हैं और बेहतर दिखते हैं। सस्ते कपड़ों से बचें क्योंकि वे जल्दी खराब हो जाते हैं और उनका लुक भी अच्छा नहीं लगता।

कार्नर न्यूज

सही कपड़े पहनने से आप न केवल पेशेवर दिखते हैं, बल्कि आपको आराम और आत्मविश्वास भी मिलता है

ऑफिस की मीटिंग में दिखना चाहते हैं स्मार्ट तो कुछ बातों पर करना होगा फोकस

ऑफिस की मीटिंग में अच्छा दिखना बहुत जरूरी है। यह न केवल आपके आत्मविश्वास को बढ़ाता है, बल्कि आपकी पेशेवर छवि को भी मजबूत करता है। सही कपड़े पहनने से आप न केवल पेशेवर दिखते हैं, बल्कि आपको आराम और आत्मविश्वास भी मिलता है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी फैशन टिप्स देंगे, जिनसे आप अपनी ऑफिस मीटिंग के लिए सही कपड़े चुन सकते हैं और हमेशा बेहतरीन दिख सकते हैं।

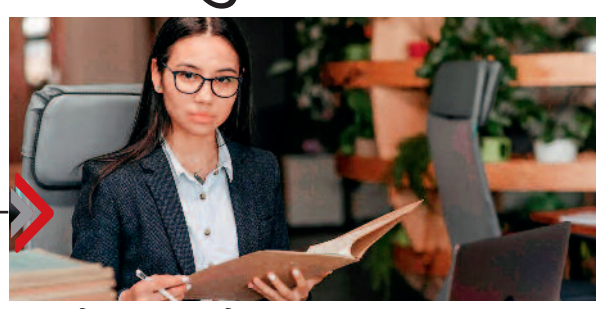

कपड़ों का चयन सोच-समझकर करें

ऑफिस की मीटिंग के लिए कपड़े चुनते समय हमेशा अपने कामकाजी माहौल को ध्यान में रखें। अगर आपका ऑफिस बहुत औपचारिक है तो सूट या औपचारिक शर्ट-पैंट का चयन करें। अगर ऑफिस थोड़ा कम औपचारिक है तो कुर्ता-पैंट या ब्लाउज-स्कर्ट का विकल्प चुन सकते हैं। ध्यान रखें कि कपड़े

सही रंग चुनें

रंगों का चयन करते समय ध्यान रखें कि वे शांति और गंभीरता का संदेश दें। नीला, काला, ग्रे और सफेद जैसे रंग हमेशा सुरक्षित विकल्प होते हैं, क्योंकि ये गंभीरता और भरोसे का अहसास कराते हैं। इसके अलावा हल्के पेस्टल रंग भी अच्छे दिखते हैं और ताजगी का एहसास देते हैं। ध्यान रखें कि बहुत चमकीले या अजीब रंगों से बचें, क्योंकि ये कामकाजी माहौल में उपयुक्त नहीं माने जाते।

फिटिंग पर ध्यान दें

कपड़ों की फिटिंग बहुत अहम होती है। ढीले या बहुत टाइट कपड़े पहनने से बचें, क्योंकि ये आपके लुक को बिगाड़ सकते हैं। सही फिटिंग वाले कपड़े न केवल आपको आरामदायक महसूस कराते हैं, बल्कि आपके पूरे लुक को भी निखारते हैं। अगर आपके पास सही फिटिंग वाले कपड़े नहीं हैं तो उन्हें सिलवाएं या नया बनवाएं। हमेशा ध्यान रखें कि कपड़े आपके शरीर के आकार के अनुसार होने चाहिए, ताकि आप पेशेवर और आत्मविश्वासी दिखें।

एक्सेसरीज भी पहनें

एक्सेसरीज आपकी पोशाक को पूरा करती हैं, इसलिए इन्हें सही तरीके से चुनना जरूरी है। बहुत ज्यादा गहने पहनने से बचें, क्योंकि ये आपके लुक को बनावटी बना सकते हैं। इसके बजाय साधारण गहने, जैसे सोने या चांदी की बालियां और एक पतली चेन पहनें। महिलाओं के लिए एक सरल घड़ी या ब्रेसलेट अच्छा विकल्प हो सकता है। पुरुषों के लिए एक अच्छी गुणवत्ता वाली घड़ी चुनें, जो आपके पेशेवर लुक को पूरा करे।

जूते और बैग भी हैं अहम

जूते और बैग भी आपके लुक का अहम हिस्सा होते हैं, इसलिए इन्हें नजरअंदाज न करें। औपचारिक जूते हमेशा अच्छे दिखते हैं, इसलिए उन्हें अपने अलमारी में शामिल करें। महिलाओं के लिए हील्स या फ्लैट्स, दोनों ही अच्छे विकल्प हो सकते हैं। बस ध्यान रखें कि वे आरामदायक हों, ताकि पूरे दिन उन्हें पहनने में कोई दिक्कत न हो। बैग भी औपचारिक होना चाहिए, जिसमें जरूरी चीजें आसानी से समा सकें।